केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

बाधाएं केवल उन्हें दिखती हैं, जिनकी नज़र लक्ष्य पर नहीं होती...!!

वर्ष : 16 अंक : 287 | उज्जैन, सोमवार 30 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

शीघ्र पूर्ण होगा प्रदेश की सबसे बड़ी स्लीमनाबाद टनल का कार्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भारत में हवाई सेवाओं का विस्तार अकल्पनीय, अब हर तबके के लिए संभव हुई हवाई यात्रा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सिंचाई क्षेत्र के विस्तार के लिए निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए। प्रशासकीय और वित्तीय कठिनाईयों को दूर कर लंबित कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस क्रम में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा बरगी व्यपवर्तन परियोजना के कार्यों को आधुनिक तकनीक का उपयोग कर तेजी से पूरा करने के प्रयासों की प्रशंसा भी की।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश की सबसे अधिक लम्बाई 11.952 कि.मी. की स्लीमनाबाद टनल (जल सुरंग) का 85 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर शीघ्र ही उद्घाटन कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में रविवार को समत्व भवन में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 270 वीं बैठक में यह जानकारी दी गई। प्राधिकरण की बैठक के साथ ही नर्मदा नियंत्रण मंडल की 87 वीं बैठक और नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट लिमिटेड के संचालक मंडल की 34 वीं बैठक भी हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए।

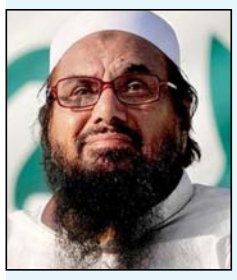

दो वर्ष की अवधि में रिकार्ड सिंचाई क्षेत्र का विस्तार- बरगी व्यपवर्तन परियोजना की स्वीकृति वर्ष 2008 में हुई थी। कार्यों में अनेक तरह की बाधाएं भी सामने आईं लेकिन बीते दो वर्ष में तेजी से कार्य पूरे किए गए। स्लीमनाबाद टनल के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए प्रशासकीय और वित्तीय स्तर पर कमियों को दूर करते हुए कार्य पूर्ण किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और नर्मदा घाटी विकास विभाग ने परियोजना के कार्यों की सतत समीक्षा भी की है। टनल के पश्चात 1.85 लाख हेक्टेयर कमान क्षेत्र को हराभरा जीवन प्राप्त होगा। इस टनल के राष्ट्रीय राजमार्ग, रेल्वे लाइनों, भूमिगत क्रॉसिंग और आबादी क्षेत्र इत्यादि के नीचे से सुरक्षित गुजरते हुए संरचना को कोई क्षति नहीं पहुंची। प्रभावित परिवारों को मुआवजा राशि सहित पुनर्वास और सुरक्षित स्थानांतरण के कार्य संवेदनशीलता के साथ पूरे किए गए।

6 जिलों के डेढ़ हजार गांव में 2 लाख 45 हजार हेक्टेयर में बढ़ेगी सिंचाई- बरगी व्यपवर्तन परियोजना से जबलपुर के निकट स्थित बरगी बांध से निकलने वाली ट्रांस-वैली कैनाल प्रदेश की सर्वाधिक 227 क्यूमेक डिस्चार्ज करयिंग कैपेसिटी की मुख्य नहर 197 किमी होगी। जबलपुर,कटनी , सतना, मैहर, पन्ना और रीवा जिलों के 1450 गांव की दो लाख 45 हजार हेक्टेयर भूमि को स्थाई सिंचाई का वरदान मिलेगा। इस निर्माण कार्य में नर्मदा और सोन कछार को विभक्त करने वाली विंध्य पर्वत श्रंखला की रिज लाइन को पार करना, दुष्कर कार्य था। उच्च भूजल स्तर जैसी चुनौतियों भी सामने थीं, जो स्लीमनाबाद टनल के निर्माण से दूर करने की पहल की गई। यह टनल प्रदेश की जीवन रेखा नर्मदा की तरह एक किस्म की धड़कन होगी, जो देश की सबसे लम्बी जल सुरंग भी है। कुल 11.952 किमी लंबाई और 2 किमी व्यास की यह विशाल तरंग नर्मदा जल को बिना पंप की सहायता से प्राकृतिक प्रवाह के रूप में बहाते हुए विशाल क्षेत्र को लाभान्वित करने का माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में बैठक में लिए गए निर्णय प्रदेश के किसानों को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

सेल्दामाल माइक्रो लिफ्ट सिंचाई परियोजना को प्रशासकीय स्वीकृति- 42.95 करोड़ रुपए (18त्न जीएसटी सहित)। खण्डवा जिले के 04 ग्रामों में 1410 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा।

दूधी सिंचाई परियोजना- कमांड क्षेत्र वृद्धि (55410 से 60828 हेक्टेयर) एवं पुनरीक्षित लागत 1925.06 करोड़ रुपए की स्वीकृति।

खालवा उद्वहन माइक्रो लिफ्ट सिंचाई- 35110 से 37490 हेक्टेयर वृद्धि, पुनरीक्षित लागत 724.10 करोड़ रुपए की स्वीकृति।

न्यूज ब्रीफ

तांबे के बर्तन में नशीला 'प्रसाद' और फिर रेप; अशोक खरात के खिलाफ 8वां केस दर्ज

नई दिल्ली/ जीएनएस। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां केस दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में शुक्रवार रात और शनिवार को दो नए केस दर्ज कि गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपये ठग लिए। वहीं दूसरा केस महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया। महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ रेप किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। शिकायत के मुताबिक मार्च 2024 में खरात ने उनसे कहा कि उनकी जन्म की तारीख की वजह से शादी में दिक्कत आई थी। इसके बाद खरात लगातार सलाह देने लगा। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया। इसके बाद खरात ने कहा कि जो कुछ कहा जा रहा है अगर उसका पालन किया जाएगा तो भविष्य संवर जाएगा।पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ रेप किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला मौन रही। रेप केस में खारत की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई।

पाकिस्तान में बैठे हैं भारत पर हमला करने वाले आतंकी; अमेरिकी संसद ने खोली पोल

नई दिल्ली/ जीएनएस। अपनी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान एकबार फिर बेनकाब हो गया है। अमेरिकी संसद की रिसर्च यूनिट अमेरिकी कांग्रेस अनुसंधान सेवा की एक ताजा रिपोर्ट ने भारत की उन आरोपों को और बल दिया है जिनमें पाकिस्तान से संचालित आतंकी संगठनों की गतिविधियों को लेकर लंबे समय से सवाल उठाए जाते रहे हैं। खासतौर पर जम्मू-कश्मीर से जुड़े आतंकवादी नेटवर्क पर इस रिपोर्ट ने गंभीर टिप्पणी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान की जमीन से भारत और खासकर कश्मीर में कई आतंकी संगठन अब भी सक्रिय हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हरकत-उल जिहाद इस्लामी, हरकत उल-मुजाहिदीन और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन शामिल हैं। ये सभी भारत की सुरक्षा के लिए लगातार खतरा बने हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान लंबे समय से विभिन्न आतंकी संगठनों का केंद्र रहा है, जिनमें से कई 1980 के दशक से सक्रिय हैं। हालांकि पाकिस्तान ने इन पर कार्रवाई के लिए कई सैन्य अभियान और नीतिगत कदम उठाए हैं, लेकिन इन संगठनों को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका है। आपको बता दें कि यह रिपोर्ट दक्षिण एशिया विशेषज्ञ के. एलन क्रोनस्टाड्ट द्वारा तैयार की गई है।इस रिपोर्ट का उद्देश्य अमेरिकी सांसदों को क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति से अवगत कराना है। इसमें आतंकी संगठनों को पांच श्रेणियों में बांटा गया है। वैश्विक, अफगानिस्तान केंद्रित, भारत (कश्मीर) केंद्रित, घरेलू और सांप्रदायिक विशेषकर शिया विरोधी।वैश्विक स्तर पर सक्रिय संगठनों में अल कायदा, भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रांत का उल्लेख किया गया है। वहीं अफगानिस्तान से जुड़े संगठनों में तालिबान और हक्कानी नेटवर्क शामिल हैं।

'मेरी सरकार में शुरू' जेवर एयरपोर्ट का क्रेडिट ले रहीं मायावती, कहा- कांग्रेस ने लगाया था अड़ंगा

लखनऊ/ जीएनएस। बसपा प्रमुख मायावती ने जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद बड़ा सियासी बयान देते हुए कहा कि इस परियोजना की रूपरेखा और सभी जरूरी बुनियादी कार्य उनकी सरकार के दौरान ही शुरू किए गए थे। उन्होंने कहा कि लंबे इंतजार के बाद एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन हुआ है।

मायावती ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि उस समय केंद्र की सरकार ने अड़ंगा नहीं लगाया होता, तो यह परियोजना यमुना एक्सप्रेसवे की तरह उनकी सरकार में ही पूरी हो गई होती। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में देरी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार ने प्रदेश के विकास के बजाय बसपा सरकार द्वारा कमजोर वर्गों के हित में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों को निष्क्रिय करने का काम किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा शासन में महापुरुषों के नाम पर बने संस्थानों, स्मारकों और पार्कों की अनदेखी की गई और उनके नाम बदले गए।

मायावती ने प्रदेश की जनता से अपील की कि वे विपक्षी दलों की छलावापूर्ण राजनीति और बहकावे में न आएं और बसपा की 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति पर भरोसा रखें।

चारधाम यात्रा के लिए 30 मार्च से हरिद्वार में बनेंगे Green Card, परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली/ जीएनएस। चारधाम यात्रा के लिए वाहनों के ग्रीन कार्ड बनने की प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो जाएगी।

परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा रोशनाबाद एआरटीओ कार्यालय में ग्रीन कार्ड व्यवस्था का शुभारंभ करेंगे। इस बार भी नारसन, रोशनाबाद और ऋषिकेश में ग्रीन कार्ड पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान हर साल देश-विदेश से 50 लाख से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री-यमुनोत्री दर्शन के लिए उत्तराखंड पहुंचते हैं।

इस बार 19 अप्रैल से यात्रा विधिवत शुरू होने जा रही है। शासन के निर्देश पर पुलिस, प्रशासन, परिवहन विभाग सहित अन्य विभाग चारधाम यात्रा की तैयारी में जुटे हैं।

इसी कड़ी में श्रद्धालुओं को चारधाम यात्रा कराने वाले वाहनों के ग्रीन कार्ड बनाने का काम सोमवार से शुरू होने जा रहा है।

एआरटीओ निखिल शर्मा ने बताया कि परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा सोमवार को रोशनाबाद में एक समारोह में ग्रीन कार्ड व्यवस्था का शुभारंभ करेंगे।

बताया कि इस बार भी नारसन, रोशनाबाद और ऋषिकेश में ग्रीन कार्ड बनाए जाएंगे। छोटे वाहन 450 रुपये और बड़े वाहन 650 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। फिटनेस, इंश्योरेंस, प्रदूषण से लेकर सभी दस्तावेज पूरे होने अनिवार्य हैं। बताया कि पिछले सो 7500 से अधिक वाहनों के ग्रीन कार्ड बनाए गए थे।

बहू अपने सास-ससुर को भरण-पोषण भत्ता देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं, इलाहाबाद HC का महत्वपूर्ण फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रयागराज। नैतिक दायित्व की अवधारणा भले ही कितनी मजबूत हो, वह किसी वैधानिक आदेश के अभाव में कानूनी दायित्व के रूप में लागू नहीं की जा सकती। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने बहू से भरण-पोषण की मांग में दायर ससुर व सास की वह आपराधिक पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी है, जिसमें आगरा की फैमिली कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट ने कहा है कि बहू अपने सास ससुर को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत भरण-पोषण भत्ता देने के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं है। कोर्ट का कहना था कि विधायिका ने अपने विवेक से उक्त प्रावधान के दायरे में सास-ससुर को शामिल नहीं किया है। दूसरे शब्दों में, विधायिका की यह मंशा नहीं है कि उक्त प्रावधान के तहत बहू पर अपने सास-ससुर के प्रति भरण-पोषण का दायित्व डाला जाए। मुकदमे से जुड़े संक्षिप्त तथ्य यह हैं कि याची राकेश कुमार ने अपने पुत्र प्रवेश कुमार का विवाह 26 अप्रैल 2016 को प्रतिवादी से किया था । प्रतिवादी उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल है। प्रवेश कुमार की 31 मार्च 2021 को मृत्यु हो गई थी। तत्पश्चात उसके पक्ष में देय सारे लाभों का भुगतान पत्नी को हुआ था। कोर्ट ने कहा, पक्षों की दलीलों पर विचार करने और रिकार्ड की जांच करने पर, यह स्वीकृत स्थिति है कि याचीगण ,प्रतिवादी संख्या 2 के ससुर और सास हैं।

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत संबंधित प्रावधानों) के अंतर्गत भरण-पोषण का दावा करने का अधिकार वैधानिक अधिकार है और यह केवल उन व्यक्तियों की श्रेणियों तक ही सीमित है जिनका उसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। प्रश्नगत मामले में रिकार्ड पर ऐसा कुछ भी नहीं है जो यह इंगित करता हो कि बहू को मिली नौकरी अनुकंपा के आधार पर थी।

हमायूं कबीर और अधीर रंजन चौधरी सुरक्षा वापस लें, 24 घंटे के अंदर..., अभिषेक बनर्जी की चुनौती

नई दिल्ली/ जीएनएस। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व ञ्रस्ष्ट विधायक हमायूं कबीर और कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा, मैं हमायूं कबीर और अधीर चौधरी को चुनौती देता हूं कि वे केंद्र सरकार से अपनी सुरक्षा वापस लेने की मांग करें। 24 घंटे के अंदर राज्य सरकार उन्हें सुरक्षा मुहैया करा देगी। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कर रही है और उन्हें बेरहमी से परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर इन नेताओं में थोड़ी भी नैतिकता बची है तो उन्हें यह कदम उठाना चाहिए। अभिषेक बनर्जी ने मुर्शिदाबाद में बीजेपी पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि हमें यहां से 22-0 का स्कोर बनाना है। उन्होंने साफ कहा कि भाजपा को एक इंच भी जगह नहीं दी जानी चाहिए।

केरल में पीएम मोदी की रैली वाली जगह से अचानक निकलने लगा धुआं, मच गई अफरा-तफरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राज्य में एक रैली को संबोधित किया। जब वह रैली स्थल पर पहुंचने वाले थे, उससे कुछ देर पहले वहां रखे एम्प्लीफायर से धुआं निकलता देखा गया। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना प्रधानमंत्री के यहां रैली स्थल, कोट्टामैदानम पहुंचने से कुछ ही देर पहले हुई।

पुलिस ने बताया कि पीएम मोदी के पलक्कड़ पहुंचने से लगभग आधा घंटा पहले, माइक्रोफोन से जुड़े एक एम्पलीफायर से धुआं निकलता हुआ देखा गया। साउंड सिस्टम ऑपरेटरों और पुलिसकर्मियों ने तुरंत दखल दिया और एम्पलीफायर को हटा दिया। एक अधिकारी ने कहा, धुआं देखते ही तुरंत कार्रवाई की गई। माइक ऑपरेटरों ने बताया कि ज्यादा लोड होने के कारण एम्पलीफायर ज्यादा गरम हो गया होगा।

अधिकारियों ने आगे बताया कि तुरंत दूसरा एम्पलीफायर लगाया गया और समस्या का समाधान हो गया। रैली देखने के लिए कोट्टामैदानम में भारी भीड़ जमा थी।

बड़ी संख्या में लोग सड़क के दोनों ओर भी खड़े थे ताकि वे पीएम मोदी की एक झलक पा सकें। पीएम मोदी हेलीकॉप्टर से आए थे और मर्सी कॉलेज के मैदान में उतरे थे।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान के तहत रविवार को एक रोड शो किया। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में लोग उनकी एक झलक पाने के लिए सड़कों पर कतार में खड़े थे। रोड शो की शुरुआत जिला अस्पताल के निकट हुई। भीषण गर्मी की परवाह किये बिना, लोग कई घंटे पहले सड़क के किनारे एकत्र हो गए थे और नारे लगा रहे थे और अपने मोबाइल फोन से उन पलों की फोटो खींच रहे थे जब प्रधानमंत्री ने एक खुले वाहन से उनका अभिवादन किया।

त्रिशूर जिले में राजग के प्रमुख उम्मीदवारों पद्मजा वेणुगोपाल और लोकसभा में त्रिशूर का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रोड शो में हिस्सा लिया।

इससे पहले, मोदी कुट्टानेल्लूर हेलीपैड पर पहुंचे, जहां भाजपा-राजग के नेताओं ने उनका स्वागत किया।

देश के 76 बड़े रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे हाई-टेक होल्डिंग एरिया; भीड़ से निपटने को नया मेगा प्लान

नई दिल्ली/ जीएनएस। ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। रेल मंत्रालय ने देश के 76 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़ से निपटने को सभी आधुनिक सुविधाओं वाले विशेष होल्डिंग एरिया बनाने की एक बड़ी योजना शुरू की है। इन आरामदायक होल्डिंग एरिया में यात्री अपनी ट्रेनों के आने का इंतजार कर सकेंगे।

इनमें यात्रियों को बैठने की व्यवस्थित व आरामदायक जगह और पीने का पानी, शौचालय, टिकट की सुविधा, जानकारी दिखाने वाले डिस्प्ले और सुरक्षा जांच जैसी जरूरी सुविधाएं होंगी, जिससे कि भीड़भाड़ वाले समय में लोगों की आवाजाही को ठीक ढंग से मैनेज किया जा सके। रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक मॉडल होल्डिंग एरिया पहले ही शुरू किया जा चुका है, जिससे भीड़भाड़ में काफी कमी आई है। यह सुविधा कई आधुनिक विशेषताओं के साथ यात्रियों की सहूलियत को बढ़ाती है, जिनमें अतिरिक्त टिकट काउंटर, ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीनें, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन सूचना बोर्ड शामिल हैं। यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने के लिए इन होल्डिंग एरिया में सीसीटीवी से निगरानी, सामान स्कैनर्स, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर्स, निर्बाध बिजली आपूर्ति, बेहतर रोशनी, हाई स्पीड पंखे और आग बुझाने के सिस्टम भी लगाए गए हैं।

इंदौर को मिली हजारों करोड़ की जल एवं विकास परियोजनाओं की सौगात

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मां नर्मदा प्रदेश की जीवनरेखा है और उनके आशीर्वाद से मध्यप्रदेश में विकास की नई धारा प्रवाहित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भी होलकर साम्राज्य ने मां नर्मदा के आशीर्वाद से कठिन परिस्थितियों में सनातन संस्कृति को सशक्त बनाए रखा तथा देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर घाट, धर्मशालाएं एवं अन्नक्षेत्र विकसित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज इंदौर में आयोजित नर्मदा के चतुर्थ चरण के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा परियोजनाओं को नई गति मिली है। सरदार सरोवर परियोजना के माध्यम से गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के निमाड़ क्षेत्र सहित व्यापक भू-भाग में जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है, जिससे कृषि, उद्योग एवं पेयजल की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर शहर को पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिये मां नर्मदा जल के चतुर्थ चरण के तहत अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 1356 करोड रुपए के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। इससे शहर के पेयजल आपूर्ति संबंधित बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और नागरिकों को बेहतर जलापूर्ति सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने इंदौर के रामसर साइट सिरपुर में 62.72 करोड़ रूपये लागत से निर्मित एसटीपी प्लांट का भी लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत लाभांवित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर संचालित किए गए इस संकल्प से समाधान अभियान के तहत इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री गोलू शुक्ला, श्री मधु वर्मा, सुश्री उषा ठाकुर, श्री मनोज पटेल, श्री सावन सोनकर, श्री प्रताप करोसिया, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल विशेष रूप से मौजूद थे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संकल्प से समाधान अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत इंदौर जिले में एक लाख 44 हजार 912 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रभावी रूप से संचालित हुआ। उन्होंने बताया कि अब प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत लगभग पौने तीन लाख जल संरचनाओं–कुएं, बावड़ी, तालाब एवं नहरों–का निर्माण एवं पुनर्जीवन किया जाएगा। यह अभियान गुड़ी पड़वा से प्रारंभ हो गया है, जो गंगा दशमी तक संचालित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के 25 जिलों को लाभ मिलेगा, वहीं पार्वती-कालीसिंध-चंबल (क्काष्ट) परियोजना से मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के 13 जिलों में सिंचाई एवं पेयजल की सुविधाएं सुदृढ़ होंगी। उन्होंने शिप्रा नदी के पुनर्जीवन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि आगामी सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालु शिप्रा के स्वच्छ जल में स्नान कर सकेंगे। इसके लिए हजारों करोड़ रुपये की योजना के तहत वर्षा जल संग्रहण एवं निरंतर जल प्रवाह सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। कान्ह नदी के जल को शुद्ध कर कृषि कार्यों में उपयोग हेतु उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक बूंद जल के संरक्षण के माध्यम से प्रदेश को समृद्ध बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे इंदौर शहर के लिए आगामी 25 वर्षों की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए समग्र योजना बनाई गई है, जिससे क्षेत्र में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र देश के प्रमुख विकास केंद्रों में शामिल हो रहा है। आने वाले समय में यह क्षेत्र लगभग डेढ़ करोड़ की आबादी के साथ देश का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बनेगा।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आज का दिन इंदौर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किया जाएगा, क्योंकि यह दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वर्णिम भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए दीर्घकालिक सोच के साथ कार्य किया जा रहा है। वर्ष 2040 तक इंदौर की अनुमानित 65 लाख जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए जल प्रबंधन की अग्रिम तैयारी करना नगर निगम की दूरदर्शिता का प्रतीक है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि नर्मदा परियोजना का इतिहास संघर्ष और संकल्प से भरा हुआ है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के उस ऐतिहासिक क्षण को याद किया जब नर्मदा परियोजना के प्रथम चरण का शुभारंभ हुआ था। उस समय वैज्ञानिकों ने इंदौर तक नर्मदा जल लाने की चुनौती को असंभव बताया था, लेकिन इंजीनियरों और विशेषज्ञों के प्रयासों से यह संभव हो सका। यह देश की एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि नर्मदा जल अत्यंत मूल्यवान है और इसे व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है और इसका सम्मान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना इंदौर के सतत विकास और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगी।

इंदौर में छलके जाम, सरकार पर बरसे दाम... 156 शराब दुकानों से मिले रिकॉर्ड 2001 करोड़

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इंदौर आबकारी विभाग ने 59 समूहों की 173 दुकानों के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की थी और अब तक 47 समूहों की 156 शराब दुकानों का आवंटन किया जा चुका है। आठ चरण की प्रक्रिया के बाद 156 दुकानों से 2001.92 करोड़ रुपये राजस्व जमा हुआ, जो निर्धारित लक्ष्य 1844.11 करोड़ से 157.80 करोड़ अधिक है। इसमें विभाग को 8.56 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ।

नई आबकारी नीति से बढ़ा राजस्व- नई आबकारी नीति के अनुसार जिले के 64 समूहों का पुनर्गठन कर 59 समूह बनाए गए और इनमें कम राजस्व और अधिक राजस्व वाली दुकानों को एक साथ शामिल किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी अभीषेक तिवारी का कहना है कि शासन की मंशानुसार टेंडर प्रक्रिया ने जिले को प्रदेश के शीर्ष राजस्व स्थान पर पहुंचा दिया।अब तक 156 दुकानों का निष्पादन कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में किया जा चुका है।

शेष पांच समूहों की 17 दुकानों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। इनका आरक्षित मूल्य 258.31 करोड़ रुपये है।

इंदौर आबकारी विभाग द्वारा 156 शराब दुकानों के आवंटन में बीते वित्तीय वर्ष 2025-26 से 30.27 प्रतिशत अधिक राजस्व एकत्रित किया गया है। वर्ष 2026-27 के लिए 2001.92 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1536.76 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे। इस प्रकार आगामी वित्तीय वर्ष में 465.15 करोड़ रुपये अधिक प्राप्त हुए हैं।

विभागीय विश्लेषण में सामने आया है कि पुनर्गठित समूहों ने यथावत समूहों की तुलना में अधिक राजस्व दिया है। इस वजह से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 20 प्रतिशत वृद्धि के लक्ष्य के मुकाबले इंदौर ने बेहतर राजस्व जमा किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मानव सेवा वाहन (एम्बुलेंस) का किया शुभारंभ, जरूरतमंदों को मिलेगी निःशुल्क सहायता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प अनुरूप जिला प्रशासन इंदौर द्वारा एक मानवीय पहल के तहत मानव सेवा वाहन (एम्बुलेंस) का शुभारंभ किया गया। यह वाहन (एम्बुलेंस) समाज के जरूरतमंद, लावारिस एवं असहाय व्यक्तियों की सेवा हेतु समर्पित रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज एयरपोर्ट पर इस वाहन का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर बताया गया कि उक्त एम्बुलेंस वाहन अग्रणी संस्था महाकाल मानव सेवा समिति इंदौर को सौंपा गया है, जिसके माध्यम से विभिन्न सामाजिक और मानवीय सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। इनमें मुख्य रूप से लावारिस शवों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार, सड़कों व गलियों में मिले लावारिस शवों का रेस्क्यू, ट्रेन/ट्रैक दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों का रेस्क्यू, लावारिस मानसिक रोगियों का उपचार एवं सहायता, बेसहारा एवं बीमार बुजुर्गों की मदद, दुर्घटनाओं में गंभीर घायलों को निःशुल्क अस्पताल पहुंचाना आदि मानवीय सेवाएं शामिल है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य हर लावारिस एवं जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मानजनक सहायता और जीवन का सहारा प्रदान करना है। इस सेवा हेतु मोबाईल नंबर- 9039759700 तथा 9826022033 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि ऐसे जरूरतमंद व्यक्तियों की जानकारी मिलने पर तत्काल संपर्क कर मानवता की इस सेवा में सहभागी बनें।

नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 132वें संस्करण का प्रसारण, डॉ. मोहन यादव ने इंदौर एयरपोर्ट पर किया श्रवण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें संस्करण का रविवार सुबह आकाशवाणी से प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान लोकमाता अहिल्याबाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में इस कार्यक्रम को सुना और इसे देश को जोड़ने वाला सशक्त माध्यम बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने पश्चिम एशिया की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति से बचना चाहिए और अफवाहों से दूर रहना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे केवल सरकार द्वारा दी जा रही आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें और किसी भी तरह की भ्रामक बातों में न आएं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि देश की 140 करोड़ जनता की एकजुटता से हर संकट का सामना सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'मन की बात' प्रधानमंत्री का देशवासियों से सीधे संवाद का एक अनूठा मंच है, जो विकास, नवाचार और जनकल्याण के साथ-साथ सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने इसे एक सकारात्मक पहल बताते हुए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर में राष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप 2026 का भव्य आयोजन

शरीर की साधना का अद्भुत खेल बॉडी बिल्डिंग–डॉ. मोहन यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर में आयोजित दो दिवसीय बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2026 के विजेयताओं को सम्मानित किया। उन्होंने बॉडी बिल्डिंग में सहभागिता करने वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि बॉडी बिल्डिंग शरीर की साधना का अद्भुत खेल है। यह साधना संगमरमर की मूर्तियों पर नसें उकेरने जैसा कठिन कार्य है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों को नई ऊंचाइयां मिल रही हैं और नई शिक्षा नीति में भी खेलों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इंडियन बॉडी बिल्डर फेडरेशन को 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय खिलाड़ी और पद्मश्री से सम्मानित प्रेमचंद डिगरा का सम्मान भी किया। इंदौर में आज 17वीं सीनियर मेन्स-विमेंस नेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में किया गया। प्रतियोगिता इंडियन बॉडी बिल्डर फेडरेशन, मुंबई के तत्वावधान में राज्य शरीर सौष्ठव संस्था द्वारा आयोजित की गई, जिसमें देशभर से आए खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में पंजाब के टोनू कुमार, केरल के रियाज टीके, कर्नाटक के प्रशांत कानूकर, उत्तराखंड के पंकज सिंह बिष्ट और तेलंगाना के हरीश वालूगुंडा सहित पांच खिलाड़ियों ने बॉडी बिल्डिंग की सात अनिवार्य मुद्राओं उत्साहवर्द्धन किया। इस दौरान कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सासंद श्री शंकर लालवानी, श्री रमेश मेंदोला, श्री मधु वर्मा, श्री महेंद्र हार्डिया, श्री गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी गौड़, इंदौर सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अन्य राज्यों से आए खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

15 हजार में करवाई कार में आगजनी, विजयनगर पुलिस ने मास्टरमाइंड महिला सहित आरोपी को दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विजयनगर थाना पुलिस ने कार में आगजनी की सनसनीखेज घटना का खुलासा करते हुए एक सुनियोजित साजिश का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता महिला सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसने मात्र 15 हजार रुपये में कार में आग लगवाई थी।

जानकारी के अनुसार, 16 मार्च 2026 की रात फरियादी कपिल चौहान (34 वर्ष), निवासी विजयनगर इंदौर की घर के बाहर खड़ी वेगनार कार में अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा दी गई थी। घटना के बाद विजयनगर थाने में अपराध क्रमांक 239/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने करीब 350 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, साथ ही साइबर सेल और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 28 मार्च 2026 को आरोपी अजय चौहान (25 वर्ष), निवासी देवास को निरंजनपुर क्षेत्र से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने भागने की कोशिश की, जिससे गिरकर उसे चोट आई, जिसका उपचार कराया गया।

पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उसने यह वारदात मनीषा अग्रवाल (45 वर्ष), निवासी इंदौर के कहने पर की थी। महिला ने उसे 15 हजार रुपये देकर कार में आग लगवाने की साजिश रची थी। बताया गया कि महिला अपनी बेटी की शादी फरियादी के छोटे भाई से तय न होने से नाराज थी और बदला लेने की नीयत से इस घटना को अंजाम दिलवाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व मंत्री श्री वर्मा के निवास पर पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित की

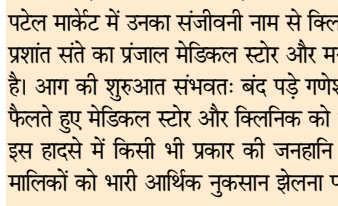

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा के निवास पहुंचे। यहां उन्होंने श्री वर्मा की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती सुभद्रा वर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ?शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और उन्हें श्रीचरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की।

पटेल मार्केट में भीषण आग, दूर से धुएं का गुबार देख कांप गए लोग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के तेजाजी नगर मुख्य मार्ग पर स्थित पटेल मार्केट में शनिवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक बंद दुकान से अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास की अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। धुएं का काला गुबार इतना भीषण था कि वह काफी दूर से ही साफ नजर आ रहा था। इस अग्निकांड के कारण पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। 30 हजार लीटर पानी लगा- फायर ब्रिगेड से प्राप्त जानकारी के अनुसार कंट्रोल रूम को सुबह 11 बजकर 21 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके के लिए रवाना हो गईं। मौके पर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां और चार टैंकर पहुंचे। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 30 हजार लीटर पानी का इस्तेमाल किया गया। तेजाजी नगर पुलिस भी मौके पर मौजूद रही और एहतियात के तौर पर कुछ देर के लिए रास्ते को दोनों तरफ से रोक दिया गया था। डॉक्टर आशीष राठौर ने बताया कि पटेल मार्केट में उनका संजीवनी नाम से क्लिनिक है। उनके क्लिनिक के पास ही प्रशांत संते का प्रंजाल मेडिकल स्टोर और मनदीप राठौर का गणेश रेस्टोरेंट स्थित है। आग की शुरुआत संभवतः बंद पड़े गणेश रेस्टोरेंट से हुई थी जिसने तेजी से फैलते हुए मेडिकल स्टोर और क्लिनिक को भी अपनी जद में ले लिया। हालांकि इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है लेकिन तीनों दुकानों के मालिकों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है।

भगवान महावीर के विचार आज भी प्रासंगिक : मुख्यमंत्री

दिगंबर और श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन ने दी है समाज सेवा को नई दिशा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर संसार को सत्य, अहिंसा, असंचय, अपरिग्रह, त्याग और तपस्या का शाश्वत संदेश देने वाले करुणा के महासागर थे। भगवान महावीर ऐसे तीर्थंकर हैं, जिनसे हम सबको प्रेरणा मिलती है। ऐसे भगवान की जयंती हमें वर्षभर मनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से करीब ढ़ाई हजार साल पहले भगवान महावीर स्वामी ने जो कहा था, वह आज की वैश्विक परिस्थितियों में भी प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन दर्शन की विशेषता है कि वह दूसरों को दबाने या डराने की बजाय, जिनेन्द्रियों पर अर्थात् स्वयं पर विजय प्राप्त करता है। भगवान महावीर स्वामी ने भी स्वयं की इन्द्रियों को जीता है, इसलिये वे जिन महावीर कहलाये। आज पूरी दुनिया उनको पूजती है, उनके विचारों को मानती है। मुख्यमंत्री ने भगवान महावीर के चरणों में वंदन कर प्रदेशवासियों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हर काल में राष्ट्र निर्माण में जैन समाज का अप्रतिम योगदान रहा है। आज ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करना हम सबके लिए सौभाग्य का अवसर है, जिन्होंने भगवान महावीर की शिक्षाओं को अपने आचरण और व्यक्तित्व में उतारा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर की स्कीम नं.-78 स्थित श्री मदन मोहन मेहता ऑडिटोरियम में महावीर जयंती व्याख्यान एवं महावीर अलंकरण/सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान जिन् महावीर पर दिखाए सत्यमार्ग पर चलने वाले 4 वरिष्ठ समाजसेवियों श्री चंदनमल चौरड़िया, श्री हंसराज जैन, श्री हंसमुख गांधी एवं श्री संतोष कुमार जैन को महावीर अलंकरण प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित समाजसेवियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सबने भगवान महावीर के सिद्धांतों को सच्चे अर्थों में जीवन में आत्मसात किया है। आपका आचरण और यह उपलब्धि दूसरों को भी ऐसा करने की प्रेरणा देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और श्वेताम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन उच्चकोटि की समाज सेवा के जीवंत उदाहरण है। महावीर जयंती व्याख्यान एवं महावीर अलंकरण समारोह के रूप में इन दोनों फेडरेशन्स का यह संयुक्त प्रयास अद्भुत संगठन शक्ति, समर्पण और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्तमान में चल रहे वैश्विक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए कहा कि स्वहितों के लिए पूरे विश्व को विषम और असामान्य सी परिस्थितियों में ला देने वाले लोगों को भगवान महावीर के अहिंसा परमो धर्म सूत्रवाक्य को याद करना चाहिए। क्योंकि हिंसा और अराजकता का जबाव प्रतिकार नहीं, बल्कि करुणा और संयम ही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीब 100 साल पहले विदेशियों को संबोधित करते हुए महान वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चन्द्र बसु ने विदेशियों को बताया था कि पेड़-पौधों में भी जीवन होता है और वे इसका अनुभव करते हैं। हमारे यहां गांव-देहात में रहने वाला सामान्य व्यक्ति भी जानता है कि संध्या के समय पेड़-पौधों को स्पर्श नहीं करना चाहिए अथवा पत्तियों और पुष्पों को नहीं तोड़ना चाहिए। हमारे देश में चर-अचर जगत में सभी को सम्मान दिया जाता है। पृथ्वी को माता मानकर उसकी पूजा की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मानव शरीर पंच तत्वों से मिलकर बना है और जैन दर्शन में पांच ज्ञानेन्द्रियां, पांच क्रमेन्द्रियां और मनुष्य के मन-मानस को विस्तार से परिभाषित किया गया है। जैन दर्शन में एकात्मवाद सहित उपवास, आत्मा, संस्कार आदि पर भी बहुत कुछ लिखा-कहा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा भोजन सात्विक होना चाहिए। जैसा आहार होगा, वैसा ही हमारा मन और विचार होंगे। परमात्मा ने एक चीज हम सबको दी है और वह है ऑक्सीजन, जो हम सबके जीवन के लिए जरूरी है। आज हमारी ऊर्जा का स्रोत भी सात्विक होना चाहिए। इसीलिए हमारी सरकार ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन में विशेष प्रयास कर रही है।

इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाजजनों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को शिक्षाविद् श्री स्वप्निल कोठारी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री राजेश चेलावत ने भी संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहासा आईटी पार्क में किया लांचपैड इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर का लोकार्पण

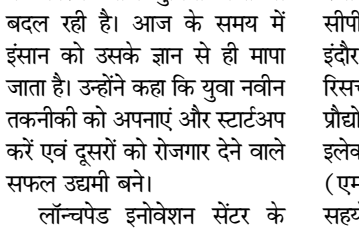

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। आज मध्यप्रदेश का युवा अपनी सोच को आकार देकर नए-नए इनोवेशन कर आईटी तकनीकी के माध्यम से स्टार्टअप कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मंशा के अनुरूप वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश स्टार्टअप एवं इनोवेशन को अपनाते हुए उद्यमिता विकास का हब बन जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के सिंहासा में स्थित आईटी पार्क में बने लॉन्चपैड इनक्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण आज दुनिया तेजी से बदल रही है। आज के समय में इंसान को उसके ज्ञान से ही मापा जाता है। उन्होंने कहा कि युवा नवीन तकनीकी को अपनाएं और स्टार्टअप करें एवं दूसरों को रोजगार देने वाले सफल उद्यमी बने।

लॉन्चपैड इनोवेशन सेंटर के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं द्वारा अपनी सोच को नवीन तकनीकी से आकर देकर निर्मित की गई अत्याधुनिक मशीनों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत वर्ष इस सेंटर का भूमि पूजन किया था और आज उसके लोकार्पण अवसर पर युवाओं की आधुनिक सोच एवं आइडियाज को देखकर अति प्रसन्नता हो रही है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने आइडिया से स्टार्टअप शुरू करने वाले युवा उद्यमियों से चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री जी ने युवा उद्यमियों से जाना की वे किस क्षेत्र में कार्य कर रहे है। युवाओं के कार्यों के बारे में जानकर उनका हौंसला बढ़ाते हुए कहा की किसी भी कार्य को करने की अगर हमारी मंशा सही है तो उस कार्य में हमें अवश्य ही सफलता मिलती है। कार्यक्रम के दौरान भारतीय औद्योगिक प्रबंध संस्थान इंदौर के निदेशक श्री सुभाष एस जोशी ने बताया कि ÷लॉन्चपैड ¬ इन्क्यूबेशन एवं इनोवेशन सेंटर÷ की स्थापना आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन (आईआईटी इंदौर का टेक्नोलॉजी ट्रांसलेशन एवं रिसर्च पार्क) तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीएसईडीसी) के संयुक्त सहयोग से की गई है।

सकल जैन समाज वीर पुत्र जयम द्वारा वीर पुत्र सम्मेलन का हुआ आयोजन

विधायक विपिन जैन, सजैस अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन सहित कई अतिथिगण हुये शामिल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल जैन समाज वीर पुत्र जयम के द्वारा रविवार को तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में वीर पुत्र सम्मेलन का आयोजन महावीर मार्ग तिराहे पर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सकल जैन समाज वीर पुत्र जयम के द्वारा महावीर मार्ग द्वार पर ध्वजारोहण भी अतिथियों के द्वारा कराया गया। बड़ी संख्या में उपस्थित जैन समाज के गणमान्य महानुभावों ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समाज में एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि मंदसौर विधायक विपिन जैन की उपस्थिति में सकल जैन समाज के अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन गोटावाला ने जैन ध्वज फहराया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अतिथिगण पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा, सकल जैन समाज के महामंत्रीगण शेखर कासमा, मनीष सेठी, प्रताप कोठारी, कोषाध्यक्ष अनिल जैन नगरीवाला, निवृर्त्तमान अध्यक्ष जयकुमार बडजात्या, उपसंयोजकगण संजय मुरड़िया, अरविन्द मेहता, अशोक मारू, वीर पुत्र जयम संवाहक राजमल गर्ग, प्रभारी महासचिव अक्षय मारू, सिद्धार्थ पामेचा, युवा प्रकोष्ठ महामंत्री कमलेश कटारिया, सजैस प्रवक्ता विजेन्द्र फांफरिया भी मंचासीन थे। सभी मंचासीन अतिथिगणों ने भगवान महावीर स्वामी के चित्र पर माल्यार्पण भी किया। पहली बार महावीर तिराहे पर स्थित महावीर द्वार पर वीर पुत्र सम्मेलन का आयोजन किये जाने पर मंदसौर के सभी जैन समाजजनों ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि मंदसौर विधायक विपिन जैन ने कहा कि वर्तमान समय में जब पूरे विश्व में अशांति है, युद्ध हो रहे है और हजारों लोग मारे जा रहे है ऐसे समय में भगवान महावीर के विचारों की सबसे अधिक आवश्यकता है। भगवान महावीर के विचारों को आत्मसात करके ही हम विश्व शांति, सद्भाव मैत्री का भाव उत्पन्न कर सकते हैं। आपने इस अवसर पर वीर पुत्र सम्मेलन के आयोजन की भी सराहना की और सभी को भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव की हार्दिक शुभकामनायें भी दीं। सकल जैन समाज अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन गोटावाला ने कहा कि भगवान महावीर के सिद्धांतों को सच्चे अर्थों में आत्मसात करने की ज़रूरत है जब हम महावीर के जियो और जीने दो का सिद्धांत अपनाएंगे तो शांति सद्भाव का वातावरण बनेगा। म.प्र. शासन के पूर्व मंत्री नरेन्द्र नाहटा ने कहा कि प्रभु महावीर की जन्म जयंती हम जिस प्रकार पूरे जैन समाज के धर्मावलम्बी मिलजुलकर मनाते हैं, उससे समाज की एकता का संदेश जाता है। मैं इसके लिये सकल जैन समाज को बधाई देता हूँ। सकल जैन समाज उपसंयोजक संजय मुरड़िया ने कहा कि वीर पुत्र जयम संस्था गठित करने का उद्देश्य काफी व्यापक है। जब भी समाज को युवाओं की टीम की ज़रूरत पड़े, समाज के एक आह्वान पर एकत्रीकरण हो जाये और जिस समस्या के समाधान के लिये इकट्ठे हों उसका समाधान भी हो जाये। समाज के लोगों को एक-दूसरे की मदद के लिये आगे आना चाहिये तथा समाज के हित में काम करना चाहिये। आपने कहा कि सकल जैन समाज संयोजक सुरेन्द्र लोढ़ा ने मुझे इस कार्यक्रम का प्रभारी बनाया। मैं इस कार्यक्रम की सफलता पर वीर पुत्र जैन के सभी सदस्यों को शुभकामना देता हूँ। कार्यक्रम में निवर्त्तमान अध्यक्ष जयकुमार बडजात्या, वीर पुत्र पंचम के संवाहक राजमल गर्ग ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में सकल जैन समाज पूर्व अध्यक्षगण नंदकिशोर अग्रवाल हक्कु भाई, डॉ. राजकुमार बाकलीवाल, दिलीप लोढ़ा, लोकेन्द्र धाकड़, पूर्व महामंत्रीगण सुनील तलेरा, सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष अनिल जैन एसबीआई, शिक्षाविद डॉ. ज्ञानचंद खमेसरा, प्रो. अशोक अग्रवाल, डॉ. आशीष खमेसरा, निर्विकार रातड़िया, राकेश दुग्गड़, सोमिल नाहटा, प्रतीक चण्डालिया, मनोहर नाहटा, दिनेश रांका, ईष्ठा भाचावत, संजय नाहर, विकास भण्डारी सीए, अंकुश जैन सीए, आनंद नाहर, अशोक जैन चयन, विनोद मेहता, अमित जैन थम्बावाला, भाविक संचेती, प्रणय धाकड़, धीरज कांकरिया, शरद गांधी, अजय फांफरिया, आदिश गर्ग, राजकुमार पाटनी, अनिल जैन सांवरिया, मोहित जैन, अश्विन रातड़िया सहित कई गणमान्य नागरिकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अक्षय मारू ने किया तथा आभार सिद्धार्थ पामेचा ने माना।

तलाई वाले बालाजी मंदिर में अष्टसिद्धि हनुमद् महायज्ञ का शुभारंभ, सूर्य एवं गौ-वत्स पूजन से गूंजा परिसर

आचार्य देवेंद्र शर्मा शास्त्री के अचार्यत्व में गूंज रहे वैदिक मंत्र

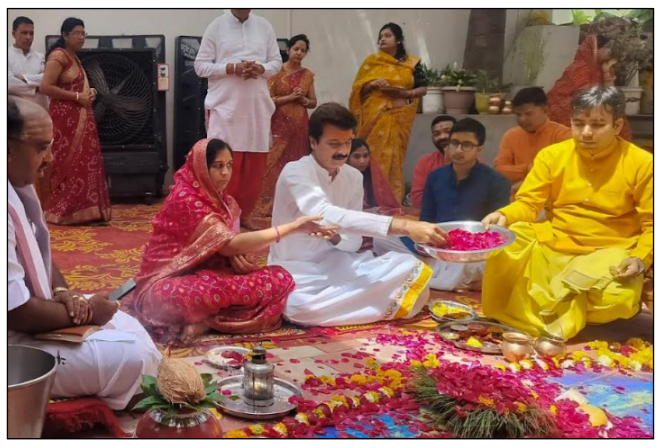

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व प्रसिद्ध तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर में हनुमद् प्राकट्य महोत्सव के अंतर्गत एकादश कुंडात्मक अष्टसिद्धि हनुमद् महायज्ञ का शुभारंभ रविवार को पूर्ण वैदिक विधि-विधान के साथ आचार्य देवेंद्र शर्मा शास्त्री (धारियाखेड़ी) के आचार्यत्व में हुआ। हेमाद्रि संकल्प एवं दशविधि स्नान के पश्चात सूर्य पूजन और गौ-वत्स पूजन के साथ यज्ञ का विधिवत आरंभ किया गया।

रविवार को प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार का वातावरण बना रहा। यज्ञाचार्य आचार्य डॉ. देवेन्द्र शर्मा शास्त्री (धारियाखेड़ी) के निर्देशन में 16 वैदिक विद्वानों द्वारा वेदमंत्रों के उच्चारण के साथ गणेश पूजन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात यजमानों को हेमाद्रि संकल्प एवं दशविधि स्नान की विधि कराई गई। इसके बाद सूर्य सूक्त के मंत्रों के साथ वैदिक पद्धति से भव्य सूर्य पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान कपिला गौ माता एवं बछड़े का विधिपूर्वक पूजन कर श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद प्राप्त किया। महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने अनुष्ठानों में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन की रूपरेखा- महोत्सव के अंतर्गत पांच दिनों में विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। सोमवार 30 मार्च को जल कलश यात्रा, गणेश-सूर्य पूजन, मंडप प्रवेश एवं अरणी मंथन होगा। मंगलवार 31 मार्च को स्थापित देव पूजन, अष्टसिद्धि पूजन एवं रुद्र स्वाहाकार संपन्न होगा। बुधवार 1 अप्रैल को स्वर्ण रत्नाभिषेक एवं यज्ञ स्वाहाकार आयोजित किए जाएंगे। गुरुवार 2 अप्रैल को पूर्णाहुति, ध्वजारोहण एवं सूर्योदय के समय प्राकट्य महाआरती के साथ महोत्सव का समापन होगा। सभी कार्यक्रम यज्ञशाला, तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर में निर्धारित समयानुसार संपन्न होंगे।

अष्टसिद्धि यज्ञ का महत्व - आचार्य देवेंद्र शर्मा शास्त्री ने बताया कि अष्टसिद्धि हनुमद् महायज्ञ को शास्त्रों में विशेष फलदायी और कल्याणकारी माना गया है। मान्यता है कि इस यज्ञ के माध्यम से अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व जैसी आठ सिद्धियों की प्राप्ति होती है, जो मानव जीवन की विविध समस्याओं के समाधान में सहायक होती हैं। यह यज्ञ गृहकलह एवं संपत्ति विवाद से मुक्ति, व्यापार वृद्धि, विवाह एवं वंशवृद्धि, गंभीर रोगों से राहत, न्यायिक मामलों में सफलता, पितृदोष, ग्रहदोष निवारण तथा जीवन के विभिन्न मनोरथों की पूर्ति में सहायक माना गया है।

दो किलो अफीम के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, 2019 से फरार आरोपी भी पकड़ाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कोतवाली पुलिस ने बिती रात्रि में काम्बिंग गश्त के दौरान और दो किलो अफीम सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। साथ ही एनडीपीएस में वर्ष 2019 से फरार एक आरोपी को भी पकड़ा है।

पुलिस के अनुसार नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए हैं। इसी कड़ी में कोतवाली पुलिस को मुखबीर सूचना मिली । बताया कि दो व्यक्ति अफीम लेकर जाने वाले हैं। इस पर माल्याखेरखेड़ा गांव रोड पर धरपकड़ में दो युवकों को हिरासत में लिया गया। आरोपियों ने अपना नाम जय पिता अशोक सोलंकी 25 वर्ष निवासी डिगांवमाली एवं पंकज पिता राजू मालवीय 23 वर्ष निवासी माल्याखेर खेड़ा जिला मंदसौर बताया है। दोनों के कब्जे से तलाशी दो किलो अफीम मिली है। आरोपी स्कार्पियो कार से यह अफीम परिवहन कर रहे थे। दोनों का रिमांड प्राप्त कर अफीम खरीद-फरोख्त के संदर्भ में जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा 28-29 मार्च की रात्रि कॉम्बिंग गश्त के दौरान ही वर्ष 2019 से फरार चल रहे एनडीपीएस के आरोपी जाफर उर्फ छोटा पिता अब्दुल शकूर 30 वर्ष निवासी मदारपुरा एवं स्थाई तीन वारंटी महिलाएं तथा स्थाई दस वारंटी पकड़े हैं, इसमें 6 वारंट, 2 विद्युत अधिनियम तथा दो अन्य अपराधों के वारंट तामिल सहित आठ गिरफ्तारी वारंट तामिल करवाए गए। इस कार्रवाई में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ सहित टीम का सहयोग रहा।

450 पुलिसकर्मियों ने 196 अपराधी पकड़े, मंदसौर में अवैध शराब, जुआ-सट्टा और गुंडा आरोपी पकड़ाए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से शनिवार-रविवार की दरमियानी रात पुलिस ने व्यापक स्तर पर कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। इस दौरान पूरी रात चली सख्त कार्रवाई में पुलिस ने 196 वारंटियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की।जिलेभर के सभी राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों ने संयुक्त रूप से इस अभियान को अंजाम दिया जिसमें 43 गश्त पार्टियों के माध्यम से 450 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।कॉम्बिंग गश्त के दौरान कुल 117 स्थायी वारंटी गिरफ्तार किए गए, जिनमें विभिन्न धाराओं के आरोपी शामिल हैं। वहीं 75 गिरफ्तारी वारंटियों की तामील भी की गई। थाना कोतवाली, वायडी नगर, सीतामऊ, सुवासरा, शामगढ़, गरोठ सहित जिले के सभी थानों ने इस कार्रवाई में सक्रिय भूमिका निभाई।अभियान के दौरान पुलिस ने 183 हिस्ट्रीशीटर, निगरानीशुदा और गुंडा बदमाशों की सघन चेकिंग की। इसमें 83 निगरानी बदमाश और 100 अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों को चेक कर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई।कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने अवैध शराब के 41 प्रकरण दर्ज करते हुए 41 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 253.66 लीटर अवैध शराब जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 64,740 रुपये आंकी गई है।पुलिस ने जुआ-सट्टा के 5 मामलों में कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों से 8,700 रुपये नकद जब्त किए। वहीं धारा 151 के तहत 8 प्रकरणों में 15 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। एडिशनल एसपी तेर सिंह बघेल ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध और आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए इस प्रकार के कॉम्बिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

खनिजों के खेल में रेलः नीमच-नंदुरबार परियोजना के सर्वे की असली हकीकत, कौन ले रहा श्रेय और किसके हाथ खाली?

रेल परियोजनाओं का 'क्रेडिट वॉर' और धरातल की हकीकत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेल मंत्रालय ने नीमच से नंदुरबार तक 380 किमी लंबी नई रेल लाइन के सर्वे को मंजूरी देकर राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के आदिवासी अंचलों के लिए विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। लेकिन इस घोषणा के साथ ही क्षेत्र में क्रेडिट लेने की जो होड़ मची है, वह जमीनी सच्चाई से कोसों दूर और बेहद हास्यास्पद नजर आती है। यह समझना जरूरी है कि कमर्शियल फायदा रेलवे का असली मकसद है। रेलवे कोई चैरिटी संस्था नहीं है। नीमच-बांसवाड़ा-दाहोद-नंदुरबार रेल परियोजना किसी सांसद की विशेष मांग या चिट्ठी के कारण स्वीकृत नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे शुद्ध व्यावसायिक गणित है। इस रूट के खुलने से मैंगनीज, डोलोमाइट, चूना पत्थर, तांबा और क्वार्टजाइट जैसे बहुमूल्य खनिजों के परिवहन में भारी वृद्धि होगी। रेलवे को इस रूट से करोड़ों का मालभाड़ा दिख रहा है, इसीलिए इसे प्राथमिकता मिली है। इसे व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम बताना जनता की समझदारी का अपमान करने जैसा है।

सीपी जोशी का मास्टरस्ट्रोक बनाम सुधीर गुप्ता की अनभिज्ञता- इस पूरी योजना में चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी की राजनीतिक पकड़ साफ दिखाई देती है। मूल योजना में प्रतापगढ़ कहीं केंद्र में नहीं था, लेकिन जोशी ने चतुराई दिखाते हुए प्रतापगढ़ को अलाइनमेंट सर्वे में शामिल करवा लिया।

बड़ा सवाल यह है कि क्या नीमच सांसद सुधीर गुप्ता को पता भी है कि यह लाइन उनके क्षेत्र में किस ओर से गुजरेगी? आशंका में चर्चा यह है कि नीमच-बड़ी सादड़ी लाइन के बीच से एक नई पटरी निकालकर सीधे प्रतापगढ़ जोड़ दी जाएगी। अगर ऐसा हुआ, तो नीमच जिले के हाथ सिर्फ नाम मात्र का एक स्टेशन लगेगा, जबकि पूरा फायदा चित्तौड़गढ़ संसदीय क्षेत्र ले जाएगा। सुलभ और सीधा मार्ग जीरन-बरडिया-रठांजना होकर निकल सकता है, लेकिन जो नेता दिल्ली में प्रभावी होगा, वह पटरी को अपनी ओर खींच ले जाएगा। फिलहाल, सीपी जोशी इस रेस में कोसों आगे दिख रहे हैं।

दोहरीकरण और बड़ी सादड़ी लाइन का सच- नीमच-रतलाम रेल लाइन का दोहरीकरण भी यात्री सुविधाओं के लिए नहीं, बल्कि इस रूट पर स्थित सीमेंट उद्योगों के भारी माल परिवहन के लाभ को देखकर किया गया है। वहीं, नीमच-बड़ी सादड़ी-मावली लाइन का उदाहरण सबके सामने है। एक समय था जब मावली-बड़ी सादड़ी की पटरियां उखाड़ ली गई थीं। आज अगर वहां ट्रेन दौड़ रही है, तो इसका श्रेय निर्विवाद रूप से सीपी जोशी और बड़ी सादड़ी रेल संघर्ष समिति को जाता है। उन्होंने इसे रक्षा मंत्रालय के साथ जोड़कर दक्षिण भारत का वैकल्पिक मार्ग बताकर मंजूरी दिलाई। यह होता है विजनरी नेतृत्व।

लोकप्रिय वक्ता या लेटर-पैड सांसद- नीमच-मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता संसद में बेस्ट परफॉर्मर या अवॉर्डेड वक्ता हो सकते हैं, लेकिन जब बात नई ट्रेन या स्टॉपेज की आती है, तो परिणाम सिफर (शून्य) रहता है।

इधर मेमू ट्रेन का मजाक बना कर रख दिया गया है। उज्जैन चित्तौड़ मेमू ट्रेन स्वीकृत हुई उज्जैन आलोट सांसद अनिल फिरोजिया ने की सांसद सुधीर गुप्ता मेमू ट्रेन जो कि लोकल पैसेंजर चलना थी उसे पूरे संसदीय क्षेत्र में किसी लोकल स्टेशन पर स्टॉपेज नहीं दिला पाए। हरकियाखल स्टेशन पर भाजपा के ही नेताओं ने सिर्फ दो जोड़ी ट्रेन के स्टॉपेज की मांग पिछले दो साल से की हुई है, मगर सांसद सुधीर गुप्ता कहते है रेल मंत्रालय पत्र भेज दिया, रेल मंत्री से चर्चा की गई है, लेकिन नतीजा वही सिफर। मानो इनके पत्र इनके मुलाकात का कोई वजूद ही नहीं है। उज्जैन-चित्तौड़ मेमू ट्रेन को लेकर सांसद गुप्ता अपने ही संसदीय क्षेत्र के स्थानीय स्टेशनों पर इसका स्टॉपेज नहीं दिला पाए। मानो उनके पत्रों और मुलाकातों का रेल मंत्रालय में कोई वजूद ही न हो।

आभार की राजनीति से बाहर आने का वक्त- नीमच से जुड़ी हर रेल परियोजना पर सांसद सुधीर गुप्ता का आभार वाला टैग चिपक जाता है, लेकिन धरातल पर उपलब्धियां पड़ोसी सांसदों के खाते में चली जाती हैं। राजनीति सिर्फ भाषणों से नहीं, बल्कि अलाइनमेंट मोड़ने और स्टॉपेज दिलाने की ताकत से चलती है। अगर नीमच के जनप्रतिनिधि अब भी नहीं जागे, तो नीमच-नंदुरबार लाइन का मुख्य जंक्शन और लाभ भी पड़ोसी जिलों की झोली में छोटी सादड़ी या बड़ी सादड़ी में होगा और नीमच केवल पटरियों को गुजरते हुए देखता रह जाएगा।

जिला अस्पताल को अस्थि रोग उपचार संबंधी उपकरण किए भेंट

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉक्टर महेंद्र पाटील ने बताया कि रविवार को सिजन्स इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड जिला भीलवाडा द्वारा जिला चिकित्सालय नीमच को अस्थि रोग उपचार संबंधी उपकरण प्रदान किए गए। इस अवसर पर कम्पनी के प्रबंधक निदेशक श्री महेन्द्र गर्ग, सीएफओ श्री प्रदीप सांखला मनीष गर्ग, प्रभुदयाल अग्रवाल, शेलेद गर्ग द्वारा मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधिक्षक डॉ महेन्द्र पाटिल, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ पुनित आचार्य जिला चिकित्सालय को अस्थि रोग उपचार संबंधी सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय के सहयोगी कर्मचारीयो ने उपस्थित होकर कार्यकम मे सहयोग प्रदान किया साथ ही मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन महोदय द्वारा कम्पनी के प्रबंधक महोदय एंव अन्य सदस्यो को सहयोग हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान कर कम्पनी का आभार व्यक्त किया।

वीर हनुमानजी यात्रा के विराम परः रात 9 बजे पूरा शहर करेगा एक साथ हनुमानजी चालीसा पाठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में ऐतिहासिक रूप से आयोजित होने वाली वीर हनुमानजी यात्रा धार्मिक उत्साह और अनूठे संयोग के साथ संपन्न होगी। यात्रा के विराम के पश्चात रात 9 बजे पूरे शहर में एक साथ हनुमानजी चालीसा का पाठ किया जाएगा। जो श्रद्धालु बालाजी मंदिर परिसर नहीं पहुंच पाएंगे, वे जहां भी होंगे, वहीं से सामूहिक पाठ में सहभागी बनेंगे। इसके लिए आयोजन समिति द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यात्रा की भव्यता और व्यवस्थाओं को लेकर रविवार को खाटू श्यामजी मंदिर परिसर में वृहद बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की। बैठक में सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया कि इस वर्ष यात्रा को और अधिक भव्य एवं आकर्षक बनाया जाएगा, साथ ही सामूहिक हनुमानजी चालीसा पाठ में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। आयोजन समिति के गौरव अग्रवाल ने यात्रा की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि आयोजन में रामायण की झलक देखने को मिलेगी। हाथी से इत्र वर्षा, बड़नगर के बैंड, महाराष्ट्र के ढोल तथा गुजरात की टीमों की प्रस्तुति यात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान करेगी। इसके अलावा दिल्ली से आने वाली सजीव झांकियां प्रमुख आकर्षण रहेंगी, जिनमें भगवान राम दरबार का जीवंत चित्रण, लव-कुश की लीलाएं तथा पंचमुखी और बाहुबली हनुमान के विविध स्वरूप दर्शाए जाएंगे। उड़ते हुए हनुमान के स्वरूप के दर्शन भी श्रद्धालुओं को होंगे। साथ ही तलाई वाले बालाजी के विग्रह स्वरूप के दर्शन भी यात्रा के दौरान होंगे। बैठक में दिलीप शर्मा, ज्योति प्रकाश जाजपुरिया, वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम बटवाल, कपिल मावर, कन्हैयालाल सोनगरा, निर्मला गुप्ता, आरती दवे सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक का संचालन लोकेश पालीवाल ने किया, जबकि आभार दाऊ भाई विजयवर्गीय ने माना।

एक दो तीन चार, जैन धर्म की जय जयकार

सिंगोली में गूंजा धर्म ध्वनि का मंगल स्वर

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जय जय गुरुदेव के जयघोष के साथ जब मुनिराज का मंगल प्रवेश होता है तो वातावरण में एक दिव्य ऊर्जा और भक्ति का संचार होता है सिंगोली नगर में यह देखकर बहुत ही आनंद और भक्ति का अनुभव हो रहा है जंहा जैन मुनि श्री जी का मंगल प्रवेश सिंगोली नगर के लिये एक अत्यंत मंगलकारी व गौरवशाली अवसर है ।

सिंगोली नगर में रविवार को प्रातः धर्म भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में परम् पूज्नीय श्री 108 मुनि प्रणम्य सागर जी महाराज श्री का मंगल प्रवेश जो सिंगोली नगर की पावन धरा उस समय श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर हो उठी, जब गुरुदेव के 10 वर्ष बाद मंगल प्रवेश के अवसर पर चारों ओर जय-जय गुरुदेव÷ के जयकारे की गूंज सुनाई दी। श्रद्धालुओं ने पूरे हर्ष और उल्लास के साथ गुरुदेव का भव्य स्वागत किया।

गुरुदेव को देखते कई भक्तों की आँखें नम हो गई- गुरुदेव के नगर आगमन पर जगह-जगह स्वागत द्वार सजाए गए हे तथा मार्ग को आकर्षक रंगोली, फूलों और पताकाओं से सजाया गया। श्रद्धालु महिलाएं मंगल कलश लेकर स्वागत में चल रही थी वहीं युवाओं ने शोभायात्रा को उत्साहपूर्वक आगे बढ़ाया, बैंड-बाजों और ढोल-नगाड़ों की धुन पर पूरा नगर भक्ति रस में डूबा नजर आया।

मंगल प्रवेश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकली, जहां नागरिकों ने पाद प्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया और गुरुदेव का अभिनंदन किया। इस दौरान वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया और हर कोई गुरुदेव के दर्शन पाने को आतुर दिखाई दिया।

पंच कल्याणक महोत्सव समिति ने बताया कि यह आयोजन नगर के लिए अत्यंत सौभाग्य का अवसर है और आगामी दिनों में पंच कल्याणक महोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे।गुरुदेव के सानिध्य में नगरवासियों को धर्म, संयम और आध्यात्मिकता का संदेश प्राप्त होगा, जिससे पूरे क्षेत्र में धर्ममय वातावरण का संचार होगा। इस अवसर पर कोटा ,भीलवाड़ा ,बिजौलिया , डाबी, झांतला, बोराव,रावतभाटा,महुवा,मानपुरा सहित अन्य जगह से भक्त जन ने इस मंगलमय वेला में पधारकर गुरुदेव का सानिध्य पाया हे।

मंडी सचिव पर्वत सिसोदिया को मिला कोर्ट से स्टे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी मंदसौर के सचिव पर्वतसिंह सिसोदिया को उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर से स्टे मिला है। इस संबंध में सिसोदिया ने बताया कि मंडी बोर्ड द्वारा जारी आदेश के विरूद्ध उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में रीट याचिका दाखिल की थी। जिसके मद्देनजर उन्हें फिलहाल स्टे मिला होकर अगली सुनवाई की तारीख लगाई गई है। पिछले दिनों स्टे मिलने पर उन्होंने मंडी सचिव पद पर ज्वाईन कर लिया है। ज्ञातव्य है कि एक शिकायत पर मंडी सचिव सिसोदिया को निलंबित कर दिया गया था । सिसोदिया इसी मार्च माह में सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। निलंबन पर राज्य शासन द्वारा शुजालपुर मंडी सचिव लक्ष्मणसिंह ठाकुर को चार्ज दिया था, जिसके बाद अर्जी पर कोर्ट से स्टे मिला है।

ई-उपार्जन पोर्टल पर चना एवं मसूर फसल की खरीदी शुरू

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्रीमती नीलम सिंह चौहान ने बताया कि जिले के किसान ई-उपार्जन पोर्टल पर रबी मौसम 2025-26 में चना एवं मसूर फसल के उपार्जन के लिए मण्डी स्तरीय 6 उपार्जन केन्द्र का निर्धारण किया गया है। चना एवं मसूर फसल का उपार्जन 30 मार्च से 28 मई तक कर सकते है। किसान भाई कृषि उपज मण्डी महू नीमच रोड रतलाम, कृषि उपज मण्डी सैलाना, कृषि उपज मण्डी अरनिया पीथा जावरा, कृषि उपज मण्डी पिपलोदा आदी।

सम्पादकीय

बड़े आर्थिक फैसले, मगर आम आदमी की मुश्किलें और बड़ी

ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष की तपिश में उबलता होर्मुज स्ट्रेट आज भारत की आर्थिक नब्ज़ पर रखा वह दबाव है, जो हर धड़कन के साथ महंगाई की सुई को और ऊपर चढ़ा रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं और आयात पर निर्भर देश के लिए यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि आम आदमी की रोजमर्रा की जंग बन चुका है। सुबह की चाय से लेकर रात की रसोई तक, हर खर्च में ईंधन की आग झलक रही है। ऐसे समय में जब सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपये की कटौती का ऐलान किया, तो लगा जैसे राहत की पहली बूंद गिरी है–लेकिन जब पेट्रोल पंप पर कीमतें जस की तस रहीं, तो यह बूंद भी धुएं में बदलती नजर आई। सवाल अब और तीखा हो गया है–क्या यह राहत सिर्फ आंकड़ों की बाजीगरी है या सच में जनता तक पहुंचेगी?

सरकार का कदम निश्चित रूप से त्वरित और साहसिक कहा जा सकता है। राजस्व में भारी कमी का जोखिम उठाकर केंद्र ने पेट्रोल और डीजल पर कर घटाए, ताकि तेल कंपनियों के बढ़ते घाटे को थामा जा सके। पेट्रोलियम क्षेत्र के जानकारों के अनुसार कंपनियां प्रति लीटर भारी नुकसान झेल रही थीं, और यह कटौती उनके अस्तित्व को संतुलित करने के लिए जरूरी थी। लेकिन इस निर्णय ने एक नया द्वंद्व भी पैदा कर दिया–सरकार ने अपनी आमदनी छोड़ी, कंपनियों को राहत दी, पर उपभोक्ता को तत्काल राहत क्यों नहीं मिली? यही वह बिंदु है जहां नीति की मंशा और उसके प्रभाव के बीच की दूरी साफ दिखाई देती है।

दरअसल, ईंधन मूल्य निर्धारण की परतें इतनी जटिल हैं कि एक स्तर पर किया गया सुधार दूसरे स्तर पर जाकर निष्प्रभावी हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, राज्यों द्वारा लगाए गए वैट, डीलर कमीशन और अन्य शुल्क–इन सबका संयुक्त प्रभाव यह रहा कि एक्साइज कटौती का लाभ सीधे उपभोक्ता तक नहीं पहुंच सका। नतीजा यह हुआ कि कीमतें बढ़ने से जरूर बचीं, लेकिन घट भी नहीं सकीं। आम आदमी के लिए यह गणित नहीं, बल्कि अनुभव है–जब जेब से उतना ही पैसा निकल रहा है, तो राहत का दावा खोखला लगता है।

इस महंगाई का दायरा ईंधन तक सीमित नहीं, बल्कि यह पूरे आर्थिक तंत्र में फैल चुकी है। परिवहन महंगा होने से खाद्य पदार्थों के दाम तेजी से बढ़े हैं, और इसका सीधा असर मध्यम और निम्न वर्ग पर पड़ा है। थोक मूल्य सूचकांक का उछाल इस बात का संकेत है कि बाजार में लागत का दबाव लगातार बढ़ रहा है। रसोई गैस, दूध, सब्जियां–हर जरूरी वस्तु अब पहले से ज्यादा महंगी हो चुकी है। यह स्थिति केवल खर्च बढ़ने की नहीं, बल्कि जीवन स्तर के गिरने की भी है, जहां आम आदमी अपनी जरूरतों को सीमित करने के लिए मजबूर हो रहा है।

विशेषज्ञों का आकलन इस संकट को और गहराई से समझने की ओर इशारा करता है। भारत की ऊर्जा निर्भरता और वैश्विक बाजार पर अत्यधिक आश्रय इस समस्या की जड़ है। जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव बढ़ता है, भारत की अर्थव्यवस्था पर उसका सीधा प्रभाव पड़ता है। हर 10 डॉलर की वृद्धि महंगाई को और बढ़ा देती है, जिससे मौद्रिक नीति की सीमाएं भी उजागर हो जाती हैं। यदि सरकार ने समय पर हस्तक्षेप न किया होता, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती थी। लेकिन यह भी स्पष्ट है कि केवल तात्कालिक राहत से इस दीर्घकालिक समस्या का समाधान संभव नहीं।

यहीं पर सरकार की भूमिका और अधिक व्यापक हो जाती है। केवल करों में कटौती करना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऊर्जा नीति को दीर्घकालिक दृष्टि से पुनर्गठित करना आवश्यक है। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और आयात के स्रोतों में विविधता लाना–ये कदम अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुके हैं। यदि इन क्षेत्रों में ठोस निवेश और नीतिगत स्पष्टता लाई जाए, तो भविष्य में ऐसे संकटों का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है।

इसके साथ ही, राहत उपायों को अधिक लक्षित और प्रभावी बनाने की जरूरत है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए जरूरतमंद वर्ग को सीधी सहायता दी जा सकती है, जिससे राहत का असर तुरंत महसूस हो। राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर वैट में कमी लाने की दिशा में भी ठोस पहल जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी हो, ताकि जनता को यह समझ आ सके कि कीमतों में बदलाव क्यों नहीं हो रहा। जब जानकारी स्पष्ट होती है, तो असंतोष की जगह समझ पैदा होती है।

महंगाई पर नियंत्रण केवल नीतिगत निर्णयों का मामला नहीं, बल्कि शासन की इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता की परीक्षा है। आम जनता को राहत तब मिलेगी जब नीतियां कागजों से निकलकर वास्तविक जीवन में असर दिखाएंगी। आज जरूरत है एक ऐसे दृष्टिकोण की, जो संकट को अवसर में बदले और भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाए। जब पेट्रोल पंप पर कीमतें सच में घटेंगी और बाजार में राहत दिखेगी, तभी यह भरोसा लौटेगा कि सरकार के फैसले केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि समाधान भी हैं।

आत्मसाक्षात्कार से चित्त पर नियंत्रण की सहजता प्राप्त होती है

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने आत्मिक उन्नति के माध्यम से व्यक्ति के संपूर्ण विकास व उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। सहजयोग ध्यान चित्त को वर्तमान में प्रतिष्ठित कर परमात्मा से एकाकारिता को प्राप्त करना है। बालक जब इस संसार में जन्म लेता है तो उसका सीधा संबंध परमात्मा से होता है उसका मन व उसकी बुद्धि अबोध होती है क्योंकि वह इस भौतिक संसार से अनभिज्ञ होता है। जैसे जैसे समय व्यतीत होता है इस संसार में व्याप्त माया की पकड़ उसकी बुद्धि पर हावी होने लगती है और वह संसार में व्याप्त साधनों में सुख व प्रसन्नता की खोज करने लगता है। एक इच्छा उत्पन्न होती है फिर दूसरी, तीसरी और फिर यह समाप्त न होने वाला सिलसिला हो जाता है। यही मिथ्या इच्छाएं हमारे सुख दुख का निर्धारण करने लगती है परंतु कोई भी इच्छा हमें संपूर्णता की ओर नहीं ले जाती हम सदैव अतृप्त रहते हैं, क्योंकि हमारी इच्छाएं मिथ्या अर्थात् असत्य से जुड़ी होती हैं जो हमारे चित्त को भ्रमित करती रहती हैं। श्री माताजी ने अमृतवाणी में इसके बारे में इस प्रकार वर्णित किया है कि, बड़े आश्चर्य की बात है कि मानव जितना कुछ मिथ्या है, उसे कितने जोर से पकड़ लेता है और सत्य को पकड़ने में कितना कतराता है, जितनी जल्दी मिथ्या हमारे अंदर से मिटता जाता है उतने ही जल्दी हम लोग चित्त को हल्का कर लेते हैं, सहजयोग में यही चित्त जो है, परमेश्वर से जाके भिड़ता है, यही चित्त उस सर्वव्यापी परमेश्वर के प्रकाश में जाके डूब जाता है, यही मानव का चित्त जो कि हम प्रकृति का एक रूप समझते हैं, प्रकृति का ये जो फूल है वो परमात्मा के प्रेम में विसर्जित हो जाता है, लेकिन ये चित्त कितना बोझिल है, कितना अव्यवस्थित है कभी-कभी देखते ही बनता है, सहजयोगी की पहचान एक ही है कि आप कितने आनंद में उतरे हैं, आप कितने शान्ति में उतरे हैं, आप कितने प्रेम में उतरे हैं, मिथ्या पे रहने वाले लोग सहजयोग को नहीं प्राप्त कर सकते हैं।÷

जैसे राखहु तैसे ही रहूँ, सहजयोगी अगर इतना करलें कि जैसे भी रखो मंजूर है हमें, हरेक चीज में, हर परिस्थिति में आनंद आ सकता है।

सहजयोग में कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने पर हमें अपने चित्त पर नियंत्रण की सहजता प्राप्त हो जाती है और सत्य की पहचान स्वत~ ही होने लगती है।

जियो और जीने दो: आज की सबसे बड़ी आवश्यकता

जब मानवता मार्ग से विचलित होती है, हिंसा, लोभ और असत्य का अंधकार फैलता है, तब इतिहास में एक दिव्य प्रकाश प्रकट होता है, जो युग को दिशा देता है और पीढ़ियों को प्रेरित करता है। लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व वैशाली के समीप कुंडलपुर की पावन भूमि पर जन्मे भगवान महावीर स्वामी ऐसी ही अद्वितीय विभूति थे। उनका जन्म मात्र एक तीर्थंकर का आगमन नहीं, बल्कि एक ऐसी चेतना-क्रांति का आरंभ था, जिसने मानव जीवन को अहिंसा, करुणा और सत्य के उच्चतम आदर्शों तक पहुंचाया। उनके विचार आज भी उतने ही सजीव और प्रासंगिक हैं, जितने उस समय थे–यह सिखाते हुए कि सच्ची विजय हिंसा नहीं, प्रेम और संयम से प्राप्त होती है।

जब सत्य और आत्मबोध की खोज प्रबल होती है, तब महापुरुषों का जीवन मार्गदर्शक बनता है। 599 ईसा पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को जन्मे भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, किंतु उनका दर्शन किसी एक संप्रदाय तक सीमित नहीं रहा। वे विश्व-गुरु थे, जिनके संदेश ने समस्त मानवता को नई दिशा दी। अहिंसा परमो धर्मः उनका अमर सिद्धांत था–जो केवल वाणी नहीं, बल्कि जीवन का आधार है, जिस पर शांति और समृद्धि टिकी है। उन्होंने सिखाया कि सिद्धांतों को कहना नहीं, जीना आवश्यक है। राजसी वैभव त्यागकर और 12 वर्षों की कठोर तपस्या के पश्चात कैवल्य ज्ञान प्राप्त कर उन्होंने सिद्ध किया कि आत्मबल ही सर्वोच्च शक्ति है।

महावीर का जीवन स्वयं एक सजीव विश्वविद्यालय था। 30 वर्ष की आयु में संन्यास लेकर उन्होंने जो मार्ग अपनाया, वह अत्यंत कठोर था। नंगे पांव, बिना किसी संपत्ति के, विपरीत परिस्थितियों और उपहास के बीच भी वे अडिग रहे। उनकी तपस्या केवल बाहरी कष्ट नहीं, बल्कि मन, क्रोध और लोभ पर विजय की आंतरिक साधना थी। कैवल्य ज्ञान प्राप्ति के बाद उन्होंने 30 वर्षों तक जन-जन को यह सिखाया कि जीवन का लक्ष्य भौतिक सुख नहीं, आत्म-मुक्ति है। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे उनके पंच महाव्रत आज भी जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने की राह दिखाते हैं।

वर्तमान समय में भगवान महावीर के संदेश और भी अधिक सार्थक प्रतीत होते हैं। विश्व में हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और पर्यावरण संकट चरम पर हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते दशक में 20 लाख से अधिक लोग हिंसक संघर्षों से विस्थापित हुए हैं और जलवायु परिवर्तन से प्राकृतिक आपदाएँ 35त्न बढ़ी हैं। ऐसे दौर में उनका जियो और जीने दो सिद्धांत केवल आदर्श नहीं, एक व्यावहारिक मार्ग है। यदि मानवता का एक अंश भी अहिंसा और संयम अपनाए, तो संघर्ष घट सकते हैं और प्रकृति से संतुलन स्थापित हो सकता है। शाकाहार अपनाने से न केवल हिंसा कम होती है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी घटता है–यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है।

भारत में जैन समुदाय इसका सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। लगभग 45 लाख अनुयायी आज भी महावीर के सिद्धांतों को जीवन में उतारते हैं। वे अहिंसा के साथ दान, संयम और सेवा द्वारा समाज को सुदृढ़ बनाते हैं। यह संयोग नहीं कि भारत जैसे विविध देश में सह-अस्तित्व की भावना जीवित है–इसका श्रेय महावीर के दर्शन को है। उनके पंच महाव्रत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं–अहिंसा हिंसा से दूर रखती है, सत्य नैतिकता सिखाता है, अस्तेय लोभ से बचाता है, ब्रह्मचर्य संयम देता है और अपरिग्रह संग्रह की प्रवृत्ति को त्यागना सिखाता है। ये सिद्धांत व्यक्ति ही नहीं, समाज को भी समृद्ध बनाते हैं।

महावीर जयंती का दिन केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन का एक पवित्र अवसर है–एक ऐसा क्षण, जो हमें अपने भीतर झांकने और आत्म-मंथन करने के लिए प्रेरित करता है। यह हमें याद दिलाता है कि सच्चा धर्म मंदिरों की भव्यता या रस्मों के शोर में नहीं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन के सरल, पवित्र और सच्चे कर्मों में निहित है। यह दिन हमें प्रेरणा देता है कि हम अपने भीतर की कमजोरियों–हिंसा, क्रोध और ईर्ष्या–को पहचानें और दृढ़ संकल्प के साथ उन्हें समाप्त करने का प्रयास करें। आज के समय में, जब सोशल मीडिया नफरत और विभाजन को बढ़ावा दे रहा है, महावीर का संदेश एक प्रकाशस्तंभ की तरह हमें मार्ग दिखाता है–यह सिखाता है कि वाणी में संयम और विचारों में शुद्धता ही सच्ची मानवता की पहचान है।

मानव जीवन के समक्ष आज दो स्पष्ट और निर्णायक मार्ग खड़े हैं–या तो हम उस गहन अंधकार में विलीन हो जाएं, जहां हिंसा, स्वार्थ और विनाश की शक्तियां प्रभावी हैं, या महावीर की तपस्या से प्रज्ज्वलित उस दिव्य, शाश्वत ज्योति को पूर्ण श्रद्धा से अपनाएं। यह ज्योति हमारे हृदय में शांति, करुणा और संतुलन का संचार करती है तथा ऐसे विश्व की कल्पना को साकार करती है, जहां प्रत्येक प्राणी प्रेम, सम्मान और सह-अस्तित्व के साथ जीवन व्यतीत करता है। आज, इस पावन और प्रेरणादायी क्षण में, हमें एक दृढ़ और अटूट संकल्प लेना चाहिए–अहिंसा को अपने जीवन का मूल आधार बनाएं, सत्य को अपनी अडिग शक्ति और करुणा को वह दिव्य प्रकाश, जो संपूर्ण संसार को प्रेम, सद्भाव और मानवता की उज्ज्वल आभा से आलोकित कर दे।

महावीर का जीवन एक प्रखर संदेश, जागृत पुकार और अनंत प्रेरणा का स्रोत है। वे बताते हैं कि सच्ची विजय बाहरी संसार में नहीं, बल्कि अपने ही मन के गहरे संघर्षों को जीतने में निहित है। जब हम उनके दिव्य दर्शन को आत्मसात कर अपने आचरण में उतारते हैं, तब उनका प्रकाश हमारे जीवन, समाज और संपूर्ण विश्व को निरंतर आलोकित करता है। यही उनकी जयंती का वास्तविक अर्थ है–एक ऐसी शाश्वत विजय, जो समय की सीमाओं से परे जाकर सदैव मानवता को मुक्ति का पथ दिखाती रहती है। महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। जय महावीर–जय विश्व शांति, जय विश्वमंगल।

प्रो. आरके जैन

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की 'काली भेड़ों' ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए। संकट, आपदा और तात्कालिक धक्का आदि समानार्थी शब्द लगते हैं, लेकिन ये अलग-अलग स्थितियों को बयां करते हैं। अमरीका और इजरायल ने ईरान पर युद्ध की शुरुआत की और ईरान ने पलटवार में खाड़ी देशों के तेल-गैस ठिकानों को तबाह किया। 17 अमरीकी बेस भी मिट्टी-मलबा कर दिए। नतीजतन आज एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ग्लोबल साउथ के 113 देश प्रभावित हो रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वियतनाम, कंबोडिया, म्यांमार, फिलीपींस, स्लोवाकिया, कनाडा, थाईलैंड, नाइजीरिया, लाओस, जर्मनी, फ्रांस सरीखे देशों में आपातकाल, कार-फ्री डे, पेट्रोल पंप तालाबंदी, राशनिंग और ऑड-ईवन आदि के हालात बने हैं।

–सुनील कुमार महला

युद्ध की हिंसा, उन्माद से त्रासदी झेलता आम आदमी

युद्ध का उन्माद मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे त्रासद अध्याय रहा है, जहाँ शक्ति, प्रभुत्व और स्वार्थ की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने ही अस्तित्व को दांव पर लगा देता है। जब राष्ट्रवाद की आग विवेक पर भारी पड़ती है, तब युद्ध केवल सीमाओं का संघर्ष नहीं रह जाता, वह मनुष्यता के मूल्यों का भी विध्वंस बन जाता है। युद्ध चाहे किसी भी काल में हुआ हो, उसका परिणाम सदैव एक-सा ही रहा है विनाश, पीड़ा और पश्चाताप। दो विश्व युद्धों की विभीषिका ने यह स्पष्ट कर दिया कि हिंसा से किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है, बल्कि यह नई समस्याओं और घावों को जन्म देती है।

युद्ध के मैदान में केवल सैनिक ही नहीं मरते, बल्कि उनके साथ असंख्य निर्दोष नागरिक भी अपनी जान गंवाते हैं, जिनका उस संघर्ष से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं होता। उनके सपने, उनकी आशाएँ और उनका भविष्य सब कुछ एक पल में राख हो जाता है। जब कोई माँ अपने बेटे को खोती है, जब कोई बच्चा अपने पिता की लाश देखता है, तब राष्ट्र की जीत का कोई अर्थ नहीं रह जाता, केवल एक गहरी शून्यता और असहनीय पीड़ा शेष रह जाती है। यही वह क्षण होता है जब मनुष्य को आत्मज्ञान का बोध होता है कि उसने क्या खो दिया और किस कीमत पर। युद्ध का वास्तविक चेहरा तब सामने आता है जब शहरों के खंडहर, जली हुई फसलें, उजड़े हुए घर और रोते हुए लोग उसकी गवाही देते हैं। आधुनिक समय में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है, चाहे वह रूस-यूक्रेन का संघर्ष हो, इजरायल-फिलिस्तीन का विवाद हो या अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव हर जगह एक समान पीड़ा और विनाश का दृश्य देखने को मिलता है। इन संघर्षों में सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोगों के निर्णयों का भार आम नागरिकों को उठाना पड़ता है, जो अपनी जान देकर उन महत्वाकांक्षाओं को पूरा करते हैं जिनसे उनका कोई लेना-देना नहीं होता। युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवस्था को भी गहरे संकट में डाल देता है। उद्योग धंधे ठप हो जाते हैं, महंगाई आसमान छूने लगती है, बेरोजगारी बढ़ती है और विकास की गति रुक जाती है। एक देश को वर्षों पीछे धकेल देने वाला यह विनाश केवल भौतिक नहीं होता, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी गहरा असर छोड़ता है। युद्ध के बाद बचता है तो केवल एक टूटा हुआ समाज, जिसमें अविश्वास, भय और असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। यही कारण है कि इतिहास हमें बार-बार यह सिखाने का प्रयास करता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि यह समस्याओं को और जटिल बना देता है। आत्मज्ञानी व्यक्ति और संवेदनशील समाज इस सत्य को समझते हैं कि शांति ही वह मार्ग है जो मानवता को आगे बढ़ा सकता है।

युद्ध के बाद जब धूल बैठती है और लोग अपने खोए हुए प्रियजनों की याद में रोते हैं, तब उन्हें यह अहसास होता है कि उन्होंने क्या खोया है और क्या पाया है। उस समय कोई भी जीत सार्थक नहीं लगती, क्योंकि जीत की कीमत बहुत अधिक होती है। युद्ध की राख से उठने वाली यह चेतना ही आत्मज्ञान का वास्तविक रूप है, जो हमें यह समझाती है कि हिंसा और घृणा के मार्ग पर चलकर हम केवल विनाश ही प्राप्त कर सकते हैं। यदि मानवता को बचाना है, तो हमें संवाद, सहिष्णुता और प्रेम का मार्ग अपनाना होगा। युद्ध का उन्माद क्षणिक हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम पीढ़ियों तक महसूस किए जाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि हम इतिहास से सीख लें और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए शांति का मार्ग चुनें, क्योंकि अंततः वही मार्ग हमें सच्चे अर्थों में मानव बनाता है।

युद्ध का पश्चाताप

बारूद की गंध में किसका सपना जलता , किसकी आँखों का उजाला धुएँ में ढलता। सीमाएँ खिंचती रहती नक्शों पर, पर दिलों की दूरी कौन मापता जो घर कभी हँसी से भरते, वहीं अब सन्नाटा रोता ।

किसी माँ की गोद सूनी, किसी बच्चे की नींद उजड़ी, विजय के नारों के पीछे कितनी करुण पुकारें जुड़ी।

क्या युद्ध आवश्यक था, पर किसके लिए, क्यों जो लौटकर न आए घर, उनसे कोई पूछे ?

विश्व युद्धों की राख अब भी हवा में प्रश्न बनकर उड़ती , हर नया संघर्ष उसी पीड़ा को फिर से जीवित कर देता ।

न कोई सच में जीतता , न कोई सच में हारता , बस इंसान अपने ही हाथों अपना संसार उजाड़ता ।

रूस की ठंडी हवाओं में, यूक्रेन की टूटी दीवारों में, गाज़ा की रोती गलियों में, हर जगह एक ही पुकार अब और नहीं सत्ता के ऊँचे दरबारों में यह आवाज़ अक्सर खो जाती है, और निर्दोषों की साँसें आँकड़ों में बदल जाती हैं।

जब सब कुछ राख हो जाता है, आओ, बारूद की जगह कुछ सपनों को बोया जाए, नन्हे हाथों में हथियार नहीं, उजला का कल संजोया जाए।

अंत में बचता न कोई ताज, न सिंहासन, बस यादें, आँसू और एक सवाल क्या यही है हमारा मानव होना?

–संजीव ठाकुर

विश्व को संकट में डालने वाला युद्ध, उद्योग-धंधों के बंद होने का सिलसिला होगा तेज

यदि पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा संकट कायम रहा तो दुनिया भर में उद्योग-धंधों के बंद होने का सिलसिला तेज होने के साथ लोगों की परेशानी अत्यधिक बढ़ जाएगी।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच पिछले लगभग एक माह से जारी युद्ध को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रोकने की कोशिश करते तो दिख रहे हैं, लेकिन वे इसमें सफल होते नहीं नजर आ रहे हैं। इसका कारण उनका विरोधाभासी और अविश्वसनीय रवैया है। वे ईरान को धमका भी रहे हैं और उसे युद्ध विराम की पेशकश भी कर रहे हैं।

उन्होंने ईरान से बातचीत का हवाला देते हुए पहले उसके बिजली और ऊर्जा ठिकानों पर पांच दिनों तक हमले टालने की घोषणा की, फिर इस अवधि को और आगे बढ़ा दिया। इस बीच उन्होंने ईरान के समक्ष जो 15 सूत्रीय युद्ध विराम प्रस्ताव रखा, उसके जवाब में उसने भी अपनी पांच शर्तें रख दीं। 15 सूत्रीय प्रस्ताव और पांच शर्तों के चलते दोनों पक्षों के बीच किसी सार्थक बातचीत के आसार कम ही हैं, क्योंकि दोनों के बीच भरोसे का अभाव है।

समस्या यह भी है कि ट्रंप की किसी बात का भरोसा नहीं। ईरान ने यह समझ लिया है कि वह समुद्री मार्ग होर्मुज पर अपना दबदबा बनाए रखकर और उसे बाधित कर अमेरिका को झुका सकता है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से उपजा ऊर्जा संकट विश्वव्यापी रूप ले चुका है।

अमेरिका की मानें तो वह कई मध्यस्थों के जरिये ईरान से बात कर रहा है। इन मध्यस्थों में मिस्र, तुर्किए के साथ पाकिस्तान का भी नाम है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पाकिस्तान अमेरिका के लिए उपयोगी है। अमेरिका उसके जरिये ईरान में दखल देने की स्थिति में है। एक समय अमेरिका ने पाकिस्तान के सहारे ही अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप किया था। माना जाता है कि ईरान को निशाने पर लेने की रणनीति के कारण ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाई थी।

जो भी हो, पाकिस्तान भले ही परमाणु हथियारों से संपन्न एक मात्र इस्लामी देश होने के कारण अपने को मुस्लिम देशों के बीच विशिष्ट समझता हो, लेकिन उसकी अंतरराष्ट्रीय साख चौपट है और वह बिल्कुल भी विश्वसनीय देश नहीं, इसीलिए वह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकने की स्थिति में नहीं। खुद उसके विदेश मंत्री कह रहे हैं कि पाकिस्तान दोनों देशों के बीच केवल संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ऐसा करते हुए वह अमेरिका से अपने स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करे तो हैरानी नहीं। वह अपने फायदे के लिए खुद का इस्तेमाल करने और दोस्ती के नाम पर धोखा देने में माहिर है। इसीलिए भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने उसे दलाल देश की संज्ञा दी। यह एक सही संज्ञा है।

ट्रंप ईरान को लेकर तरह-तरह के बयान देने के साथ ऐसे संकेत भी दे रहे हैं कि वे इस युद्ध को रोकना चाह रहे हैं। उनके ऐसे संकेतों का असर शेयर मार्केट में देखने को मिल रहा है, लेकिन यह कहना कठिन है कि युद्ध खत्म होने के करीब है, क्योंकि ईरान और इजरायल के हमले जारी हैं। होर्मुज मार्ग भी खुलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। इस युद्ध को लेकर अनिश्चितता के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री से वार्ता की। कहना कठिन है कि इस वार्ता में क्या बात हुई। जो भी हो, भारत यह चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट जल्द खुले, ताकि ऊर्जा संकट खत्म हो। भारत अपनी ओर से अमेरिका-ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर सकता है, लेकिन शायद वह फिलहाल इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है कि उसके जहाज होर्मुज से निकलते रहें और ईरान से संबंध सामान्य बने रहें।

–धनंजय राजौरा

युद्ध के माहौल में महावीर के दर्शन की उपादेयता

सदियों पहले महावीर जनमे। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में से सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा की जीवन शैली अपनानी होती है। महावीर जयन्ती मनाने हुए हम केवल महावीर को पूजे ही नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीने के लिये संकल्पित हो। आज समुचित दुनिया युद्ध एवं आतंक के मुहाने पर खड़ी है.युद्ध की विकराल होती स्थितियां संपूर्ण मानवता के लिए एक बड़ा संकट बन रही है, ऐसी स्थितियों में युद्ध मुक्ति और अहिंसक समाज रचना के लिए महावीर के सिद्धांतों को अपनाने और महावीर के जीवन दर्शन को स्थापित करने की जरूरत है. भगवान महावीर की मूल शिक्षा है- 'अहिंसा'। सबसे पहले 'अहिंसा परमो धर्मः' का प्रयोग हिन्दुओं का ही नहीं बल्कि समस्त मानव जाति के पावन ग्रंथ 'महाभारत' के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी भगवान महावीर ने। भगवान महावीर ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ भगवान महावीर का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। 'आत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत'' इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

एक बार महावीर और उनका शिष्य गोशालक एक घने जंगल में विचरण कर रहे थे। जैसे ही दोनों एक पौधे के पास से गुजर रहे थे। शिष्य से दुश्मन बन चुके गोशालक ने महावीर से कहा, यह पौधा देखिए, क्या सोचते हैं आप, इसमें फूल लगेंगे या नहीं लगेंगे? महावीर आंख बंद करके उस पौधे के पास खड़े हो गए, और कुछ देर बाद आंखें खोलते हुए उन्होंने कहा, फूल लगेंगे।

गोशालक ने महावीर का कहा सत्य न हो, इसलिये तत्काल पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया, और जोर-जोर से हंसने लगा। महावीर उसे देखकर मुस्कराए। सात दिन बाद दोनों उसी रास्ते से लौट रहे थे। जैसे ही दोनों उस जगह पहुंचे, जहां गोशालक ने पौधा उखाड़ा था, उन्होंने देखा कि वह पौधा खड़ा है। इस बीच तेज वर्षा हुई थी, उसकी जड़ों को वापस जमीन ने पकड़ लिया, इसलिए वह पौधा खड़ा हो गया था।

महावीर फिर आंख बंद करके उसके पास खड़े हो गए। पौधे को खड़ा देखकर गोशालक बहुत परेशान हुआ। गोशालक की उस पौधे को दोबारा उखाड़ फेंकने की हिम्मत न पड़ी। महावीर हंसते हुए आगे बढ़े। गोशालक ने इस बार हंसी का कारण जानने के लिए उनसे पूछा, आपने क्या देखा कि मैं फिर उसे उखाड़ फेंकूगा या नहीं? तब महावीर ने कहा, यह सोचना व्यर्थ है। अनिवार्य यह है कि यह पौधा अभी जीना चाहता है, इसमें जीने की ऊर्जा है, और जिजीविषा है। तुम इसे दूबारा उखाड़ फेंक सकते हो या नहीं-यह तुम पर निर्भर है। लेकिन पौधा जीना चाहता है, यह महत्वपूर्ण है। तुम पौधे से कमजोर सिद्ध हुए और हार गए। और जीवन हमेशा ही जीतता है। जीवन में आने वाली मुश्किलों का सामना करने के लिए जरूरी है, आशावादी रहना।

महावीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों-लाखों लोगों को उन्होंने अपने आलोक से आलोकित किया है। उनके मन में संपूर्ण प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना थी।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा हुआ है उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में समाहित है। जरूरी है कि हम महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें जीवन और आचरण में उतारें। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही व्यक्ति बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो। जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो। जो पुरुषार्थ के द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्ज्वल भविष्य की मनोकामना रखता हो।

भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन तप और ध्यान की पराकाष्ठा है इसलिए वह स्वतः प्रेरणादायी है। उनके उपदेश जीवनस्पर्शी हैं जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान निहित है। वे चिन्मय दीपक हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को हरता है। वे सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पुंज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दुःख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दुःख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किंतु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है।

– ललित गर्ग

श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव की तैयारी, महिला शाखा के संयोजक घोषित

24 अप्रैल को वाहन रैली और 26 को निकलेगी शोभायात्रा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्री परशुराम जी के प्राकट्योत्सव कार्यक्रम को लेकर सर्व ब्राह्मण द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। रविवार को समाज की महिला शाखा की बैठक नईसड़क स्थित धर्मशाला में बैठक आयोजित की गई। जिसमें समाजजनों ने विचार विमर्श किया और महिला शाखा की यात्रा संयोजकों का मनोनयन भी किया। शोभायात्रा और वाहन रैली के लिये अलग-अलग संयोजक बनाए गए हैं। भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में 24 अप्रैल को वाहन रैली और 26 अप्रैल को शोभायात्रा निकाली जाएगी।

सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा ने बताया कि महिला शाखा की बैठक में घर-घर आमंत्रण पत्र वितरण कार्यक्रम की समीक्षा करने के साथ ही शोभायात्रा और वाहन रैली के लिये महिला संयोजकों की घोषणा की गई। संतोष शर्मा, गनदेवी पांडेय, पुष्पा व्यास, कविता तिवारी, रेखा शर्मा को शोभायात्रा संयोजक और वाहन यात्रा के लिए कोमल शर्मा, रश्मि शर्मा, रेखा शर्मा, ज्योति नागर और ज्योति शर्मा को संयोजक बनाया गया है। बैठक में महिला शाखा जिलाध्यक्ष चेतना शर्मा सहित बड़ी संख्या मातृशक्ति उपस्थित रहीं। बैठक में प्राकट्योत्सव की तैयारियां की समीक्षा भी की गई।

मुख्य मार्गों से निकलेगी शोभायात्रा- 26 अप्रैल को शोभायात्रा बालवीर हनुमान मंदिर वजीरपुरा से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुणे बालवीर हनुमान मंदिर पर ही जिसका समापन होगा और यात्रा समापन के पश्चात समस्त विप्र बंधुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व दिनांक 24 अप्रैल शुक्रवार के दिन विशाल वाहन यात्रा निकाली जावेगी। जो राजराजेश्वरी माता मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए भगवान श्री परशुराम मंदिर दुपाड़ा रोड पर समाप्त होगी। वाहन यात्रा के पश्चात भगवान श्री परशुराम जी की महाआरती होगी एवं प्रसाद वितरण होगा।

परशुराम सेना करेगी वाहन यात्रा का नेतृत्व- इस वर्ष वाहन यात्रा श्री परशुराम सेना के नेतृत्व में निकाली जाएगी। एवं भगवान के परशुराम जी की शोभायात्रा के लिए बैठक में पंडित गौरव दुबे, अरूण शर्मा सरपंच बमोरी और अरुण शर्मा ग्राम बरवाल को शोभायात्रा संयोजक नियुक्त किया गया है। सर्व ब्राह्मण समाज ने पूरे शाजापुर को आठ वार्डों में विभक्त कर समस्त आठ वार्डो के प्रभारी नियुक्त किए गए। इसके लिए समाज के पदाधिकारी व युवा, वरिष्ठ घर-घर जाकर आमंत्रण पत्र बांट रहे हैं। यह कार्य 19 मार्च से प्रारंभ हुआ है। अब तक 250 से अधिक परिवारों को आमंत्रित किया जा चुका है।

अवैध मदिरा संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग की लगातार कार्यवाई

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी देवास द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय एवं परिवहन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है जिसमें दिनांक 28.03.2026 को आबकारी की टीम द्वारा बरोठा, पटाड़ी, हाटपिप्लिया एवं कमलापुर क्षेत्र में ढाबों होटलों पर चेकिंग कर कार्यवाही की गई जिसमे 50 बियर ,155 देशी मदिरा प्लेन एवं 10 पाव विदेशी मदिरा बरामद की गई । कार्यवाही में कुल 06 प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दर्ज किए गए है,जप्त सामग्री का मूल्य लगभग 319325 रुपये है आज की कार्यावाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी दिलीप कनासे आबकारी उपनिरीक प्रेम यादव एवं अरविंद सोलंकी आबकारी आरक्षक राजेश जोशी, अरविंद, गीतेश, आशीष गुप्ता, सुरेंद्र ,सैनिक अनिल सम्मिलित रहे, इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

खेतों में नरवाई जलाने पर सख्त कार्रवाईः दो किसानों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेशों तथा मध्य प्रदेश शासन द्वारा जारी निषेधात्मक निर्देशों का उल्लंघन करते हुए खेतों में गेहूँ की नरवाई (पराली) जलाने वाले दो किसानों के विरुद्ध जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की गई है। दिनांक 28 मार्च को तहसीलदार श्रीमती पूजा भाटी, पटवारी श्री अखिलेश मालवीय तथा कृषि विस्तार अधिकारी श्री शिवचरण सोलंकी के संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा ग्राम बैरागढ़ (उज्जैन मार्ग) में भ्रमण किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान दो व्यक्तियों को बिना अनुमति अवैध रूप से खेतों में नरवाई जलाते हुए पाए गए। पुलिस थाना सिविल लाइन, देवास में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223(ए) के तहत दो आरोपियों पर केस दर्ज किया गया है। दल द्वारा बताया गया कि दयाराम पिता चेना 0.49 हेक्टेयर, ओमप्रकाश पिता भेरूसिंह रकबा 0.67 हेक्टेयर में पराली जलाने पर एफआईआर दर्ज की गई। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेष (नरवाई) को किसी भी स्थिति में न जलाएं। नरवाई जलाना न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता को भी स्थायी रूप से नुकसान पहुँचाता है। इससे मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, कार्बनिक पदार्थ की मात्रा कम हो जाती है तथा भूमि की उत्पादक क्षमता घट जाती है। किसानों को सूचित किया जाता है कि नरवाई प्रबंधन के लिए कई बेहतर एवं सरकारी सहायता प्राप्त विकल्प उपलब्ध हैं।

भाजपा पार्षद के परिवार को दौड़ा-दौड़ाकर डंडों से पीटा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शुजालपुर में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला किया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें लोग खुलेआम डंडे चलाते नजर आ रहे हैं। बाइक सवार एक व्यक्ति तो पिस्टल लोड करता दिखा।

जिले के अकोदिया-शुजालपुर मार्ग स्थित औद्योगिक क्षेत्र के सामने शनिवार को पुश्तैनी जमीन विवाद को लेकर ये पूरा विवाद हुआ। भाजपा पार्षद सईद पटेल का परिवार शुजालपुर सिटी के टीला क्षेत्र में रहता है, जबकि उनके ताऊ का परिवार अकोदिया नाका स्थित वन विभाग कार्यालय के पास रहता है। दोनों पक्षों के बीच पुश्तैनी जमीन को लेकर पिछले 15 सालों से विवाद चल रहा है। शनिवार को तहसील कार्यालय मार्ग पर एक सहभोज कार्यक्रम के दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसी दौरान विवाद बढ़ा और मामला हिंसक झड़प में बदल गया।

झड़प में पार्षद के भाई समेत 5 घायल- झड़प में पार्षद के बड़े भाई और टाइल्स व्यवसायी हाफिज पठान के सिर में गंभीर चोट आई है। उन्हें गंभीर हालत में शुजालपुर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा चार अन्य लोग भी घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक को रेफर किया गया है। मामले में दोनों पक्षों ने शुजालपुर मंडी थाने में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। एक पक्ष की शिकायत पर लल्लू खां, समीर खां, हसीन खां, वसीम खां, आसू खां और रसूल खां के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से 85 वर्षीय रसूल की शिकायत पर हफीज, शादाब, साहिल और भाजपा पार्षद सईद पटेल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस दोनों पक्षों के बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन को मिला नया नेतृत्व, आशीष शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन के चुनाव उत्साहपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो गए। आयोजित साधारण सभा में विधायक आशीष शर्मा को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। उनके निर्विरोध चयन से खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों में खुशी का माहौल देखा गया।

नवगठित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष के रूप में अनिल सिकरवार एवं हेमेंद्र निगम, सचिव पद पर अनवर खान, कोषाध्यक्ष के रूप में विशाल शर्मा तथा संयुक्त सचिव के रूप में संदीप जाधव एवं निशा मालवीय को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में मेहसर अली, सुनील मालवीय, नफीस खान, अश्विनी जाधव, शुभम यादव एवं आयुष गगुरड़े को भी निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष पद ग्रहण करने के बाद आशीष शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि जिले में वॉलीबॉल खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाएगी। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन मध्य प्रदेश वॉलीबॉल संघ के उपाध्यक्ष सतीश जोशी द्वारा निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान के जिले में संचालित की जा रही हैं अनेक जल संरक्षण गतिविधियां

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के साथ ही सीहोर जिले मे 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जनभागीदारी के माध्यम से कुओं, तालाओं, नदियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की साफ सफाई एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। अभियान के तहत जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार के लिए जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक मिलकर श्रमदान कर रहे हैं। अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए खेत, तालाब, अमृत सरोवर, परकोलेशन टैंक, डगवेल, तालाब जीर्णोद्धार, जनभागीदारी के कार्य, कूप एवं बाउंड्री मरम्मत के कार्य किए जा रहे हैं। अभियान के तहत जल संरक्षण जागरूकता के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया भी किया जा रहा है।

अभियान के शुभारंभ से अब तक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिले के पांचों अनुभागों में अभी तक 52 खेत तालाब पूर्ण किए गए हैं। इसी प्रकार 264 डगवेल रिचार्ज कार्य भी पूर्ण किए गए हैं। शहरी विकास अभिकरण द्वारा अमृत 2.0 योजनांतर्गत जल संग्रहण संरचना जीर्णोद्धार के 03 कार्य, नदियों में मिलने वाले नालों के शोधन के 05 कार्य, नदियों-तालाबों एवं बावड़ियों को अतिक्रमण मुक्त कराने संबंधी 05 कार्य, नाले नालियों की साफ-सफाई एवं सौंदर्यकरण के 32 कार्य, नगरीय निकायों वॉटर हार्वेस्टिंग स्थापना के 07 कार्य, नगरीय निकायों में हरित क्षेत्र विकास के 04 कार्य किए गए हैं। इसी प्रकार नगरीय निकायों में प्रमुख 14 स्थलों प्याउ की स्थापना की गई है। पीएचई विभाग द्वारा नल योजना के ऑपरेटरों के 18 प्रशिक्षण आयाजित किए जा चुके हैं।

तीन दिवसीय अग्नि सुरक्षा मेला शुरू, मंत्रीगण नारायण सिंह व श्री तोमर एवं सांसद श्री कुशवाह अग्नि सुरक्षा मेला पहुँचे

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पहले ही दिन से अग्नि सुरक्षा मेला शहरवासियों के आकर्षण का केन्द्र बन गया है। ग्वालियर शहर ही नहीं ग्रामीण अंचल के निवासी भी अग्नि सुरक्षा मेले में पहुँचकर अग्नि दुर्घटना से बचने की बारीकियां सीख रहे हैं। साथ ही मेले में मिल रही विशेष छूट पर अग्नि सुरक्षा उपकरण भी खरीदकर ले जा रहे हैं। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह भी रविवार को अग्नि सुरक्षा मेला पहुँचे। साथ ही उन्होंने अग्नि सुरक्षा उपकरण चलाने की प्रक्रिया समझी और उपकरण भी खरीदे । ग्वालियर व्यापार मेला में दस्तकारी हाट (शिल्प बाजार) परिसर में रविवार 29 मार्च से शुरू हुआ अग्नि सुरक्षा मेला 31 मार्च तक लगा रहेगा। पुलिस महानिरीक्षक श्री अरविंद कुमार सक्सेना, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय व जिला पंचायत के सीईओ श्री सोजान सिंह रावत सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी अग्नि सुरक्षा मेले

में मौजूद रहे। मंत्री द्वय श्री नारायण सिंह कुशवाह व श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अग्नि सुरक्षा मेला में लगी दुकानों का भ्रमण कराया। साथ ही एसडीआरएफ की टीम के माध्यम से आग बुझाने की प्रक्रिया का व्यवहारिक प्रदर्शन (डेमोस्ट्रेशन) भी कराया। मंत्री द्वय एवं सांसद ने जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए फायर सेफ्टी मेले की सराहना की। तीनों वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने जिलेवासियों से अपील की है कि अग्नि सुरक्षा मेले में आकर आग बुझाने की बारीकियां सीखें। साथ ही अपने घर, प्रतिष्ठान, औद्योगिक इकाई इत्यादि के लिये अग्नि सुरक्षा उपकरण भी लेकर जाएं। यदि सभी के घर व प्रतिष्ठानों में अग्निशमन उपकरण होंगे तो आग लगने की आपात स्थिति में प्रारंभिक अवस्था में ही आग पर काबू पाया जा सकता है। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि अग्नि सुरक्षा को लेकर इसी प्रकार के जनजागरण कार्यक्रम ग्रामीण अंचल में भी आयोजित किए जाएं। उन्होंने व्यवहारिक रूप से अग्नि सुरक्षा उपकरण चलाने की प्रक्रिया सीखी और डेमोस्ट्रेशन में आग भी बुझाई। सांसद ने कहा कि अग्निशमन यंत्र खरीदने के लिये किसानों को भी प्रोत्साहित किया जाए। अग्नि सुरक्षा मेले में आ रहे लोगों को एसडीआरएफ की टीम द्वारा पानी, बिजली व गैर रिसाव से लगने वाली आग बुझाने की प्रक्रिया व्यवहारिक रूप से समझाई जा रही है। सरकारी व निजी अस्पतालों के स्टाफ को विशेष रूप से आग बुझाने की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। मेला परिसर के एक हिस्से में आग बुझाने का डेमोस्ट्रेशन भी किया जा रहा है। अग्नि सुरक्षा मेले में घर, प्रतिष्ठान व औद्योगिक इकाईयोंसे संबंधित छोटे से लेकर बड़े अग्निशमन यंत्र विशेष छूट पर उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन की पहल पर कंपनियों द्वारा इन उपकरणों पर विशेष छूट दी जा रही है।

गायत्री माता मंदिर में हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

योजनाओं व अधिकारों की जानकारी से लाभान्वित हुए सैकड़ों नागरिक

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा रविवार को गायत्री मंदिर परिसर में एक दिवसीय मेगा विधिक आउटरीच एवं जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। जहां उपस्थित गणमान्य नागरिकों को योजनाओं के साथ-साथ उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंदकुमार तिवारी के मुख्य आतिथ्य एवं सचिव नमिता बौरासी के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला न्यायाधीशगण जितेंद्र कुमार पाराशर, दिनेश नोटिया एवं प्रेमलता जितेंद्र गोयल, शिखा शर्मा जिला विधिक सहायता अधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर में आमजन, विशेषकर वंचित एवं कमजोर वर्गों को उनके विधिक अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा विभिन्न शासकीय जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर मौके पर पंजीयन एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। साथ ही मध्यस्थता 2.0 अभियान एवं सामुदायिक मध्यस्थता के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री तिवारी ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय की सरल एवं निःशुल्क पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने आमजन से ऐसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता कर अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। शिविर के अंत में आयोजित सांस्कृतिक ज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि श्री तिवारी द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शील्ड, प्रमाण-पत्र एवं लेखन सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों, पैरा लीगल वालंटियर्स एवं सहयोगी कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा। आभार सचिव श्रीमती बौरासी ने माना।

कबीर फाउंडेशन ने किया नारी सम्मान समारोह का आयोजन

विधायक ने की 26 लाख रू. देने की घोषणा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अभा बलाई समाज और कबीर फाउंडेशन के तत्वाधान में राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय नारी शक्ति सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, आलोट विधायक चिंतामणि मालवीय, तराना विधायक महेश परमार, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, अखिल भारतीय बलाई समाज के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष दिलीपसिंह बामनिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जनार्धन लाड़ना, राष्ट्रीय महासचिव लक्ष्मी नारायण बंगाली, भाजपा जिला महामंत्री रायसिंह मालवीय, अजा. मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील मालवीय, नगर मंडल अध्यक्ष पं. आशीष नागर, जिला महामंत्री गोविंद नायक, रामचंद्र चौहान, बाबूलाल गोयल आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि कबीर फाउंडेशन के माध्यम से समाज जो समरसता का कार्य कर रहा है वह अनुकरणीय है। उन्होंने बलाई समाज धर्मशाला के लिए

26 लाख रुपए की विधायक निधि से देने की घोषणा भी की। आलोट विधायक श्री मालवीय ने कहा कि नारी ही राष्ट्र की आत्मा है नारी का सम्मान ही हमारा राष्ट्र का सम्मान है भीमराव अंबेडकर जी ने हिन्दू कोड बिल के माध्यम से नारी शक्ति को बराबरी का अधिकार दिलाया। उन्होंने कहा की आज हमारे देश की प्रथम नागरिक भी महिला है और इसका श्रेय भीमराव अंबेडकर जी के रचित संविधान को जाता है। कार्यक्रम को तराना विधायक महेश परमार, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि पांडे, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष दिलीप सिंह बामनिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रो में कार्यरत मातृशक्ति का सम्मान मंचासीन अतिथियों के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में राधेश्याम मालवीय, टीआर सिसोदिया, रामचन्द्र पारस, नारायणसिंह मालवीय, धर्मसिंह मालवीय आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युवा राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल मालवीय ने किया तथा आभार नारायण सिंह मालवीय ने माना।

माँ नर्मदा के आंचल में संवर्धन का संकल्प

मंत्री प्रहलाद पटेल एक हफ्ते में दूसरी बार पहुंचे गुंजारी नर्मदा संगम

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले के बुधनी जनपद की हरित वादियों में स्थित ग्राम जोशीपुर का गुंजारी नर्मदा संगम घाट आज एक बार फिर जनसेवा और संवेदनशीलता का साक्षी बना। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत यहां पहुंचे प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने न केवल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, बल्कि प्रकृति और संस्कृति के इस पावन संगम से एक गहरा संवाद भी स्थापित किया।

नर्मदा के शांत प्रवाह के बीच मंत्री श्री पटेल के घाट पर पहुंचने से वातावरण में एक विशेष ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने संगम स्थल पर चल रहे स्वच्छता एवं संरक्षण कार्यों का सूक्ष्म अवलोकन किया। घाट के हर कोने, सीढ़ियों और जल की स्थिति का निरीक्षण करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं को परखा और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री पटेल ने स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने घाट की स्वच्छता, जल की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया, साथ ही भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि गुंजारी संगम घाट के संपूर्ण ढांचे को सुदृढ़ एवं आकर्षक बनाया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर के विकास हेतु भी विशेष कार्य किए जाएंगे, जिससे यह स्थल आस्था के साथ-साथ पर्यटन और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख केंद्र बन सके।

इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल के शब्दों में भावुकता भी झलक उठी। उन्होंने कहा, माँ नर्मदा ने हमें सदैव जीवन, आस्था और समृद्धि दी है। अब यह हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें स्वच्छता, संरक्षण और सम्मान के रूप में कुछ लौटाएं। उनके ये शब्द उपस्थित जनसमूह के लिए एक प्रेरणादायक जनआह्वान बन गए।

मंत्री श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान को एक निरंतर चलने वाला जनआंदोलन बताते हुए कहा कि यह प्रयास किसी एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि संगम स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं संरक्षण के कार्य नियमित रूप से जारी रखें।

उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नदियाँ केवल जलधाराएं नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति की जीवनरेखा हैं, जिनकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी का साझा दायित्व है।

उल्लेखनीय है कि मंत्री श्री पटेल इससे पूर्व भी इस स्थल पर स्वयं स्वच्छता कार्य में सहभागी बन चुके हैं। उस समय उन्होंने जनभागीदारी का जो संदेश दिया था, आज के पुनः निरीक्षण ने उसे और अधिक सशक्त किया है। उनका यह प्रयास स्पष्ट करता है कि संवर्धन केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि संकल्प और सतत प्रयास से संभव होता है।

गुंजारी संगम घाट पर आज का यह निरीक्षण एक प्रशासनिक गतिविधि से कहीं अधिक रहा– यह प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, संस्कृति के प्रति समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का जीवंत उदाहरण बन गया। यहां बहती नर्मदा की धारा मानो इस संकल्प की साक्षी बन, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित भविष्य की कामना कर रही हो।

मयोरा गैस का गुंडाराज, डिजिटल डकैती-रिकॉर्ड में डिलीवर्ड, हकीकत में खाली हाथ

ग्राहकों के लिए न पानी, न छाया, सिर्फ लूट की माया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की एकमात्र गैस वितरण एजेंसी मयोरा गैस इन दिनों भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और तानाशाही का पर्याय बन चुकी है। मालवा हेराल्ड द्वारा कल प्रमुखता से उजागर किए गए ÷मयौरा गैस एजेंसी का बड़ा फर्जीवाड़ा, बुकिंग के 21 दिन बाद भी सिलेंडर नदारद, रिकॉर्ड में दिखाया डिलीवर्ड, कालाबाजारी की बू÷ के बाद नगर की पीड़ित जनता का सब्र का बांध टूट गया है। सैकड़ों उपभोक्ताओं ने स्थानीय संवाददाता को जो आपबीती सुनाई, वह किसी डरावने सपने से कम नहीं है। एक तरफ जनता रसोई गैस के लिए दर-दर भटक रही है, वहीं दूसरी तरफ एजेंसी का प्रबंधन और कर्मचारी अपनी मनमानी और अभद्रता की सीमाओं को लांघ चुके हैं।

भीषण गर्मी में यातना केंद्र बनी गैस एजेंसी- नियमों की उड़ी धज्जियां - विपणन नियमों के अनुसार, प्रत्येक गैस एजेंसी के शोरूम और वितरण केंद्र पर उपभोक्ताओं के लिए छायादार बैठने की जगह और ठंडे पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य है। लेकिन मयोरा गैस एजेंसी पर नियम केवल कागजों तक सीमित हैं। इस 43-45 डिग्री की झुलसा देने वाली गर्मी में बुजुर्गों, महिलाओं और मजदूरों को घंटों खुले आसमान के नीचे कतारों में खड़ा किया जा रहा है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मानवाधिकारों का सीधा हनन भी है। क्या प्रशासन किसी अनहोनी या किसी उपभोक्ता के बेहोश होने का इंतजार कर रहा है?

डिजिटल डकैती- रिकॉर्ड में डिलीवर्ड, हकीकत में खाली हाथः जनता ने एजेंसी पर डिजिटल डकैती का सनसनीखेज आरोप लगाया है। दर्जनों उपभोक्ताओं ने अपने मोबाइल दिखाकर बताया कि उनके पास सिलेंडर सक्सेसफुली डिलीवर्ड होने का मैसेज आ चुका है, जबकि हकीकत में उन्हें हफ्तों बाद भी सिलेंडर नहीं मिला। सवाल यह है कि जब सिलेंडर उपभोक्ता के घर पहुँचा ही नहीं, तो सॉफ्टवेयर में उसे डिलीवर किसने दिखाया? यह सीधे तौर पर सब्सिडी और स्टॉक की हेराफेरी का बड़ा मामला है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच अनिवार्य है।

घरेलू गैस की होटलों में बंदरबांट, कालाबाजारी का नग्न नाचः आरोपों की सबसे गंभीर कड़ी कालाबाजारी से जुड़ी है। उपभोक्ताओं का सीधा सवाल है कि ÷अगर एजेंसी के पास स्टॉक नहीं है, तो नगर के बड़े होटलों, रेस्टोरेंट्स और चाय की थड़ियों पर घरेलू सिलेंडर धड़ल्ले से कैसे जल रहे हैं? जनता को स्टॉक खत्म का बोर्ड दिखाया जाता है और पर्दे के पीछे मोटी रकम लेकर व्यावसायिक स्थानों पर सिलेंडरों की सप्लाई की जा रही है। क्या यह खेल प्रबंधन और रसद विभाग की मिलीभगत से चल रहा है?

बदतमीजी की इंतहा- कर्मचारी या गुंडेः उपभोक्ताओं ने बताया कि जब वे अपना हक मांगने एजेंसी पहुँचते हैं, तो वहाँ का स्टाफ उनसे गुंडों जैसा व्यवहार करता है। उपभोक्ताओं के साथ अभद्रता और पुरुषों के साथ गाली-गलौज अब यहाँ की कार्यप्रणाली का हिस्सा बन चुकी है। आए दिन होने वाले हंगामे इस बात का सबूत हैं कि एजेंसी प्रबंधन को न तो कानून का डर है और न ही जनता की तकलीफों की परवाह।

प्रशासन का पक्षः इस ज्वलंत मुद्दे पर तहसीलदार सुरेश नागर ने दो टूक शब्दों में कहा की - मयोरा गैस एजेंसी की बढ़ती शिकायतो की जाँच कर विधिवत कार्यवाही की जाएगी।

संगठन की ताकत, कार्यकर्ता का संकल्प

बदनावर में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत नगर मंडल बदनावर का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग स्थानीय करिश्मा पैलेस में ऊर्जा और अनुशासन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ग का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक और तकनीकी रूप से आगामी चुनौतियों के लिए सुसज्जित करना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान अलग-अलग सत्रों में अनुभवी वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं में वैचारिक धार पैदा की। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को शासन की उपलब्धियां जन-जन तक पहुँचाने का मंत्र दिया।

अजजा मोर्चा प्रदेश महामंत्री वीरेंद्र सिंह बघेल ने भाजपा की संघर्षपूर्ण यात्रा और गौरवशाली इतिहास से परिचय कराया, वहीं जिला अध्यक्ष निलेश भारती ने पार्टी के वैचारिक अधिष्ठान और मूल सिद्धांतों को स्पष्ट किया। संभाग प्रभारी दिलीप पटोदिया ने बूथ जीता-चुनाव जीता की रणनीति के साथ मन की बात कार्यक्रम को बूथ स्तर पर प्रभावी बनाने के गुर सिखाए। कार्य पद्धति और विस्तार- जिला महामंत्री राकेश पटेल ने संगठन की कार्यशैली और देवेंद्र सोनाने ने संगठन के कार्य विस्तार की दृष्टि पर प्रेरक उद्बोधन दिया। जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने आज के दौर में सोशल मीडिया, ए.आई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), नमो ऐप और संगठन ऐप की उपयोगिता पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। जिला उपाध्यक्ष राखी राय ने केंद्र सरकार की योजनाओं के व्यापक प्रभाव की जानकारी दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कार्यकर्ताओं के परिश्रम की सराहना की। पूरे आयोजन में उनकी सक्रिय और अहम भूमिका रही। कार्यक्रम का सफल संचालन मंडल उपाध्यक्ष अंशुमान जोशी द्वारा किया गया। समापन सत्र के अंत में महामंत्री संतोष राव ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और संभागियों का आभार व्यक्त किया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में नगर के वरिष्ठ जन, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता की। मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान ने बताया कि इस वर्ग से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और संगठन के प्रति समर्पण का संचार हुआ है।

चना उपार्जन के लिए 17 केंद्र बनाए गए

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकार ने चने के लिए समर्थन मूल्य रु 5875/- प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। जिला उपार्जन समिति द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार जिले में चने के उपार्जन के लिए कुल 17 केंद्र बनाए गए हैं। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि चने के उपार्जन के लिए जो केंद्र बनाए गए हैं उनमें सेन्ट्रल वेयहराउस खंडवा, वर्मा वेयरहाउस कोरगला, ममता वेयरहाउस ग्राम बावडिया काजी, श्रीराम वेयरहाउस अमलपुरा, पूर्णिमा वेयरहाउस पिपलोदखास, श्री बालाजी वेयरहाउस केहलारी, जय भोले वेयरहाउस गुडीखेडा, यशवंत वेयरहाउस दोंदवाडा, सृष्टि वेयरहाउस पंधाना, मंजू पटेल वेयर हाउस ग्राम गोंडखेडा, अक्षिता एग्रो वेयरहाउस पुनासा, सीड्स एंड ग्रेन्स वेयरहाउस करोली, दिव्य शक्ति वेयरहाउस, जोगीबेड़ा, बिरदीचंद गुप्ता वेयरहाउस खेड़ी, पटेल वेयरहाउस नया हरसूद, महादेव वेयरहाउस खेरखेडा हरसूद, सिद्दी वेयरहाउस.गंभीर शामिल है। चना उपार्जन का कार्य 30 मार्च से 28 मई 2026 तक जारी रहेगा।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि सभी केन्द्रों पर 30 मार्च से पूर्व गुणवत्ता सर्वेयर की नियुक्ति संबंधित एजेंसी द्वारा अनिवार्य रूप से की जाए। सभी सर्वेयर को प्रशिक्षण मार्कफेड द्वारा दिया जाए। चना उपार्जन केन्द्र पर गुणवत्तापूर्ण स्कंध ही उपार्जित किया जाए। यदि किसी केन्द्र पर नॉन एफ ए क्यू चना उपार्जन के लिए आता है तो उसको पृथक से रजिस्टर में एंट्री करके और किसान को समझाइश देकर अपग्रेडेशन कराया जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए हैं कि सभी उपार्जन केंद्रों पर इस अपग्रेडेशन के लिए छन्ना, पंखा आदी।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियां शुरू, चिंतामन गणेश को अर्पित किया प्रथम निमंत्रण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आगामी 19 अप्रैल 2026 को भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए श्री ब्राह्मण समाज ने कमर कस ली है। आयोजन के निर्विघ्न संपन्न होने की मंगल कामना के साथ शनिवार को महोत्सव का विधिवत शंखनाद किया गया। महोत्सव की शुभ शुरुआत किले पर स्थित प्राचीन श्री चिंतामन गणेश मंदिर में पूजन-अर्चन के साथ हुई। समाज के वरिष्ठों और युवा इकाई ने प्रथम पूज्य भगवान गणेश के चरणों में आयोजन का प्रथम निमंत्रण-पत्र अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री परशुराम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। महिला मंडल और पुरुष वर्ग ने मिलकर आगामी रूपरेखा पर चर्चा की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजू राजेश लिटोरिया, मंजूला मेहता, नेहा शर्मा, सीमा शर्मा, सीमा रावल, आशा रावल, लक्ष्मी शर्मा, जयश्री भट्ट, स्मिता शर्मा, प्रियंका शर्मा, निधि द्विवेदी, सविता तिवारी, अनुराधा जोशी आदि उपस्थित रहीं। वही समाज अध्यक्ष दीपक द्विवेदी, प्रजेंद्र भट्ट, राजकुमार शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, राजेश पाठक, भेरूलाल शर्मा, नितिन शर्मा, शुभम शर्मा, विनोद शर्मा, किशन पंड्या, ईश्वरलाल जोशी, प्रवीण देव, राजेश शर्मा, अरुण देव, राजेंद्र द्विवेदी, प्रदीप सिद्ध सहित समाज के कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

समाज के मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने बताया कि इस वर्ष का जन्मोत्सव विशेष होने वाला है। महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, भव्य शोभायात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। समाज का लक्ष्य है कि इस आयोजन के माध्यम से पूरे नगर में श्रद्धा, संस्कार और एकता का वातावरण निर्मित हो।

बदनावर नगर परिषद में एल्डरमैन की नियुक्तियों का ऐलान

मस्ताना, शर्मा, गुर्जर और नाहर के नामों पर लगी मुहर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा नगरीय निकायों में लंबे समय से प्रतीक्षित एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) की नियुक्तियों की घोषणा रविवार को कर दी गई है। प्रदेश की 123 नगर परिषदों के लिए जारी इस महत्वपूर्ण सूची में बदनावर नगर परिषद को भी स्थान मिला है, जहाँ चार अनुभवी और सक्रिय चेहरों को परिषद में मनोनीत किया गया है।

सक्रियता को मिला सम्मान - नगर परिषद बदनावर के लिए जारी आधिकारिक पत्र के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के उन कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी गई है जो लंबे समय से सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्रों में सक्रिय रहे हैं। मनोनीत किए गए एल्डरमैन निम्नलिखित हैं - भूपेंद्र सिंह मस्ताना भाजपा के वरिष्ठ एवं प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, मीतेश शर्मा पार्टी के सक्रिय एवं जमीनी कार्यकर्ता, कन्हैयालाल गुर्जर संगठन के प्रति समर्पित व्यक्तित्व, कपिल नाहर युवाओं के बीच सक्रिय और कर्मठ कार्यकर्ता।

इन नियुक्तियों की खबर आते ही बदनावर में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने आतिशबाजी कर और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। माना जा रहा है कि इन नियुक्तियों से नगर परिषद के संचालन और विकास कार्यों में नए सुझावों और अनुभव का लाभ मिलेगा। नवनियुक्त एल्डरमैन को क्षेत्र के वरिष्ठ नेतृत्व का भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, नगर परिषद अध्यक्ष मीना यादव तथा नप उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इन नियुक्तियों से संगठन और परिषद दोनों को मजबूती मिलेगी।

बधाई देने वालों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार, सुनील मोदी, नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, जिला सह-मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

भैंसोला में भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

दत्तीगांव ने कार्यकर्ताओं को दिया जीत और विकास का मंत्र

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत बखतगढ़ मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर रविवार को भैंसोला में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव सम्मिलित हुए, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन तथा जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। मंच पर भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह सक्तावत, जिला सह संयोजक अक्षय शर्मा एवं जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्वागत भाषण बखतगढ़ मंडल अध्यक्ष संजयसिंह राठौर द्वारा दिया गया।

अंतिम दिन के प्रथम सत्र में वक्ता सोनू रघुवंशी ने सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नमो ऐप के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कार्यकर्ता को मैदान के साथ-साथ मोबाइल स्क्रीन पर भी सक्रिय रहना अनिवार्य है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को नमो ऐप, संगठन ऐप और एआई तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। उनके संबोधन के मुख्य बिंदु रहे- - औद्योगिक क्रांति, तिलगारा का औद्योगिक पार्क और भैंसोला का पीएम मित्रा पार्क आने वाली पीढ़ी के लिए वरदान साबित होंगे। मित्रा पार्क ने बदनावर का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन किया है।

माँ नर्मदा का जल अगले वर्ष तक बदनावर पहुँचेगा। कालिकराय, राजोद समूह और माही समूह जैसी योजनाओं से क्षेत्र का जल संकट सदैव के लिए समाप्त हो रहा है।

अंत्योदय का लक्ष्य - शासन की योजनाएं समाज की अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँच रही हैं, जिससे उनके जीवन में खुशहाली आई है।

संगठन की शक्ति - पार्टी का मूल आधार त्याग, तपस्या और राष्ट्र प्रथम है। कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनके समर्पण से ही हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

सत्र का सफल संचालन मंडल महामंत्री कमलेश्वर सिंह चुंडावत ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन महेंद्र सिंह शक्तावत द्वारा किया गया। राष्ट्रगान के साथ इस दो दिवसीय वैचारिक अनुष्ठान का समापन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारी एवं कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मां भद्रकाली मंदिर मै भद्रकाली यज्ञ संपन्न

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल मां भद्रकाली मंदिर से, तृतीय पांच दिवसीय, मां भद्रकाली यज्ञ (दिनांक 23 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक) की पूर्णाहुति होने के पश्चात ,दिनांक 29 मार्च 2026 रविवार को मंदिर प्रांगण खरसोद खुर्द से श्री ठा. चंदर सिंह जी पाण्डया खण्डोदा एवं श्री मांगीलाल जी पुजारी खरसोद खुर्द द्वारा पैदल यात्रा कर पावागढ़ माता दर्शन हेतु प्रस्थान कर रहे हैं। यात्रा के दौरान एक सुंदर रथ में भोजन प्रसादी एवं रात्रि विश्राम की सामग्री साथ में रहेगी। आपके द्वारा यह पैदल यात्रा तीसरी बार की जा रही है, यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश एवं समाज में सौहार्द बना रहे ।समाज उन्नति करता रहे ,यही कामना है। यह यात्रा करीब 11 से 12 रोज में माता के दर्शन एव मां भद्रकाली का पूजन हवन कर यात्रा पूर्ण होती है। इस यात्रा के दौरान रास्ते में धर्मालु जनों द्वारा विभिन्न स्थानों पर आपका स्वागत भी किया जाता है। सनातन धर्म प्रेमी , समाजिक बंधुओं एवं ईस्ट मित्रो ने यात्रा संपन्न होने की शुभकामनाएं दी।

बदनावर में भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की धूमः 31 मार्च को भव्य चल समारोह और विभिन्न आयोजनों से महकेगा नगर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल जैन श्री संघ वर्द्धमानपुर द्वारा भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव इस वर्ष भी अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ 31 मार्च, मंगलवार को मनाया जाएगा। यह महोत्सव पूज्य मधुबाला जी म.सा. की शिष्या सुनिता जी म.सा. आदि ठाणा एवं पूज्य जितेश रत्ना श्री जी महारासाहेब आदि ठाणा की पावन निश्रा में आयोजित होगा।

संयुक्त समाज की ओर से वृहद तैयारियाँ - नगर के समस्त जैन समुदायों ने एक जुट होकर इस महोत्सव की रूपरेखा तैयार की है। श्री राजमल सूर्या (अध्यक्ष, श्वेता. जैन मूर्ति पूजक श्री संघ), श्री मुकेश विनाक्या (अध्यक्ष, स्थानकवासी जैन श्री संघ), श्री राजेश मोदी (दिगंबर जैन समाज) एवं श्री सुनील काढेड़ (अध्यक्ष, साधु मार्गी जैन श्री संघ) ने संयुक्त रूप से बताया कि दिन भर धर्ममयी कार्यक्रमों की श्रृंखला चलेगी।

महोत्सव का विस्तृत कार्यक्रम - प्रभात फेरी- प्रातः 7-30 बजे श्री धर्मदास वर्द्धमान स्थानक भवन से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करेगी। हर घर दर्शन- प्रातः 8-00 बजे हर घर दर्शन-हर घर पूजा का विशेष आयोजन होगा। प्रातः 11-00 बजे से अणुकृपा नवयुवक मंडल द्वारा सावरकर मार्ग पर प्रसादी वितरित की जाएगी।

भव्य चल समारोह- दोपहर 2-30 बजे भोयरावाले जैन मंदिर से प्रभु शोभायात्रा एवं दिगंबर जैन मंदिर जी की प्रभु महावीर स्वामी की वेदी जी का संयुक्त चल समारोह प्रमुख मार्गों से निकलेगा।

विशेष आकर्षण - इंदौर से आ रही वर्धमान 2550 टीम भगवान महावीर के संदेशों की प्रभावना करते हुए इस यात्रा में शामिल होगी। साधर्मी वात्सल्य- सायं 5-00 बजे (सूर्यास्त पूर्व) जैन धर्मशाला में सामूहिक भोज का आयोजन होगा। रात्रि 7-30 बजे जवाहर मार्ग स्थित श्री महावीर जिनालय पर भव्य आरती की जाएगी। महोत्सव के एक दिन पूर्व यानी 30 मार्च की रात्रि 7 बजे नवकार सेवा संस्थान द्वारा जैन धर्मशाला में एक शाम प्रभु महावीर के नाम भजन संध्या का विशेष आयोजन रखा गया है। सकल जैन श्री संघ ने समस्त समाजजनों से विनम्र निवेदन किया है कि महोत्सव के दिन अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान एवं दुकानें बंद रखकर सपरिवार सभी आयोजनों में शामिल हों और जिनशासन की शोभा बढ़ाएं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन श्री अनुराग जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के पालन प्रतिवेदन की विस्तृत समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं एवं पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जिलेवार समीक्षा की गई।

सुशासन से जुड़े विभागों (राजस्व, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामान्य प्रशासन एवं लोक सेवा प्रबंधन) की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने कृषि कल्याण वर्ष एवं संकल्प से समाधान अभियान को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए इनके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने, लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करने तथा iGOT पोर्टल पर सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने संवेदनशील बस्तियों का जोनल प्लान तैयार करने, आपातकालीन वाहनों के सुगम आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने, NCORD की जिला स्तरीय समिति की नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट के प्रकरणों में राहत राशि का समय पर भुगतान, जिला सड़क सुरक्षा समिति द्वारा ब्लैक स्पॉट सुधार, नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, साइबर अपराध नियंत्रण तथा शस्त्र लाइसेंस के लिए डिजिटल पोर्टल के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया।

लोकायुक्त प्रकरण में कलेक्टर के सख्त निर्देश, त्वरित प्रशासनिक कार्यवाही के निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकायुक्त इंदौर इकाई द्वारा जिला झाबुआ में जिला कार्यक्रम प्रबंधक (आरजीएसए) यश पंवार के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 7 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए जाने के पश्चात कलेक्टर नेहा मीना ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कड़ी प्रशासनिक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान को निर्देशित किया है कि संबंधित जिला कार्यक्रम प्रबंधक, आरजीएसए (संविदा कर्मचारी) यश पंवार को तत्काल प्रभाव से जिला पंचायत से हटाकर अन्य कार्यालय में अटैच किया जाए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारी की सेवा समाप्ति (टर्मिनेशन) का प्रस्ताव शीघ्र विभाग को प्रेषित करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि जिले में सुशासन, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार के मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

राष्ट्रहित सर्वोपरिः ईंधन संकट के चलते महावीर जन्म कल्याणक की वाहन रैली स्थगित

राजा कर्नावट एव नितिन बुड़ावनवाला का प्रेरणादाय कदम

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा जंक्शन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली श्री महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव की विशाल वाहन रैली को इस वर्ष स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय श्री आदिनाथ फेमिली ग्रुप के अध्यक्ष राजा कर्नावट एव नितिन बुड़ावनवाला द्वारा समाज मे दिये गये मेसेज से प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनो ने संयुक्त रूप से बताया कि देश में चल रही पेट्रोल, डीजल एवं गैस की कमी को ध्यान में रखते हुए उत्त निर्णय लिया गया है साथ ही समाज के वरिष्ठजनों के परामर्श और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए यह कदम उठाया गया है इस कदम की सराहना पुरा समाज कर रहा है आयोजन समिति ने सभी समाजजनों से क्षमा प्रार्थना करते हुए कहा कि ÷पहले देश, फिर समाज÷ की भावना के साथ यह निर्णय लिया गया है

संयम और जिम्मेदारी का संदेश- महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाली पारंपरिक वाहन रैली को इस वर्ष स्थगित निरस्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय वर्तमान देश-काल-परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

आयोजकों ने बताया कि देश में चल रही संवेदनशील परिस्थितियों और वैश्विक स्तर पर युद्ध जैसे हालात को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि ईंधन, संसाधनों एवं वाहनों का उपयोग केवल अत्यंत आवश्यक कार्यों तक ही सीमित रखा जाए। ऐसे समय में संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

धार्मिक दृष्टि से भी यह निर्णय अत्यंत प्रेरणादायक माना जा रहा है। भगवान महावीर का संदेश अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संवेदनशीलता हमें यही सिखाता है कि परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेकर समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करें।

आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस निर्णय को सहर्ष स्वीकार करें और महावीर जयंती को आध्यात्मिक साधना, सेवा एवं धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से मनाएं।

अतिप्राचीन इलाई माता दरबार में तीन दिवसीय भव्य मेले का आयोजन, श्रद्धा और परंपरा का दिखेगा संगम

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया ग्राम रानी बडौद स्थित अतिप्राचीन एवं चमत्कारिक स्थल इलाई माता शक्तिपीठ में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य एवं विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला क्षेत्र की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर माता रानी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं।

मंदिर परिसर में गुड़ी पड़वा से ही धार्मिक आयोजनों की शुरुआत हो चुकी है। मंदिर को आकर्षक विद्युत सज्जा और फूलों से सजाया गया है, वहीं प्रतिदिन माता इलाई का विशेष श्रृंगार किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के लिए महाआरती एवं महाप्रसादी का आयोजन निरंतर जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और भक्तगण शामिल हो रहे हैं।

31 मार्च से होगी मेले की शुरुआत- आयोजन समिति के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष तेरस, 31 मार्च 2026 को विशेष पूजा-अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ होगा। इस दिन से ही मेला प्रांगण में दुकानों का सजना शुरू हो जाएगा और श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगेगी। धार्मिक माहौल के बीच भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहेगा।

1 अप्रैल को लगेगा विशाल मेला, उमड़ेगा जनसैलाब- चैत्र शुक्ल पक्ष चौदस, 1 अप्रैल 2026 को मेले का मुख्य आयोजन होगा। इस दिन ग्राम रानी बडौद सहित आसपास के गांवों और दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। श्रद्धालु माता रानी के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बनाएंगे।

परंपरा के अनुसार इस दिन महिलाएं माता रानी को चकली अर्पित करेंगी, जो वर्षों पुरानी आस्था का प्रतीक है। इसके साथ ही गांव की महिलाएं जल भरकर लाएंगी और माता जी तथा भैरव बाबा को जल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानों, झूलों और खान-पान की व्यवस्थाओं से पूरा परिसर जीवंत हो उठेगा।

2 अप्रैल को पूर्णिमा पर होगा समापन - तीन दिवसीय मेले का समापन चैत्र पूर्णिमा, 2 अप्रैल 2026 को होगा। इस दिन भी श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रहेगी और पूरे दिन खरीददारी एवं धार्मिक गतिविधियों का क्रम जारी रहेगा। अंतिम दिन श्रद्धालु माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

प्रशासन और ग्रामीणों की तैयारियां पूर्ण- मेले को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए स्थानीय प्रशासन और ग्रामवासियों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता और यातायात को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम- इलाई माता का यह मेला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। यहां आने वाले श्रद्धालु न केवल पूजा-अर्चना करते हैं, बल्कि ग्रामीण परंपराओं, लोकजीवन और सामाजिक एकता का भी अनुभव करते हैं।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेले को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

पुस्तक मेला :- बुक बैंक जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद की अनूठी पहल - विधायक नीरज सिंह

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। निजी स्कूलों की महँगी किताबें प्रतिस्पर्धी एवं न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराने जिला प्रशासन द्वारा गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक परिसर में आयोजित किये जा रहे पुस्तक मेला के पांचवे दिन आज रविवार को विद्यार्थी और अभिभावक बड़ी संख्या में पहुंचे। पुस्तक मेला में पांचवे दिन के मुख्य अतिथि बरगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री नीरज सिंह थे। उन्होंने पुस्तक मेला के पांचवे दिन की सांस्कृतिक संध्या का माँ सरस्वती के चरणों में वंदन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी एवं जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा भी मौजूद थे। विधायक श्री नीरज सिंह ने अपने संबोधन में पुस्तक मेला को समाज को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण नवाचार बताया। उन्होंने कहा कि सेशन ब्रेक के बाद जब नया सत्र शुरू होता है, तब अभिभावक चाहते हैं कि उन्हें प्रतिस्पर्धी दरों पर पुस्तकें, जूते, बैग और कॉपियां मिलें। यह मेला एक ही छत के नीचे यह सभी सुविधाएं उपलब्ध कराकर अभिभावकों की चिंताओं को दूर कर रहा है। विधायक श्री सिंह ने पुस्तक मेला में लगे बुक बैंक स्टॉल की सराहना करते हुए कहा कि यह उन जरूरतमंद बच्चों के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जो नई किताबें खरीद नहीं सकते। ऐसे छात्र रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से नाम मात्र की राशि देकर इस स्टॉल से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। रीड ऑन रेंट की सराहना :- विधायक श्री नीरज सिंह ने पुस्तक मेले में मात्र 5 रुपये के शुल्क पर पाठ्यक्रम से इतर ज्ञानवर्धक पुस्तकें पढ़ने की दी गई सुविधा रीड ऑन रेंट कांसेप्ट की विशेष प्रशंसा की और इसे एक अभिनव पहल है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों द्वारा स्कूल चले हम गीत पर दी गई मनमोहक प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। विधायक श्री सिंह ने कहा कि ऐसे मंचों के माध्यम से बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

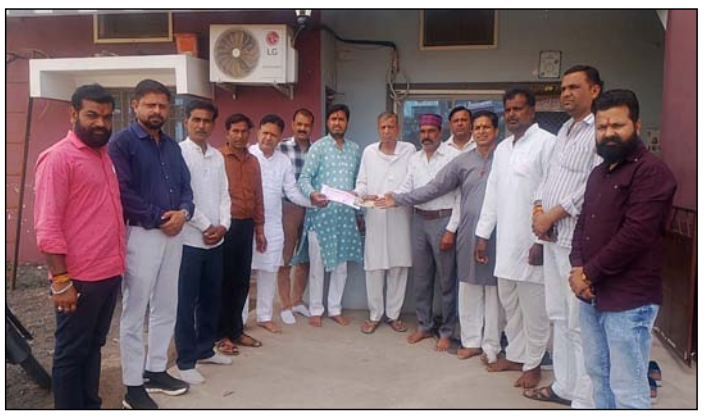

लौकैन्द्र सिंह राहुल मंडलोई ने समाजसेवा की मिसाल की पेश, बिटिया के जन्म दिवस पर 51 हजार रुपए की सहयोग राशि भेंट

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया मेवाड़ राजपूत समाज कैन्द्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक केदार सिंह मंडलोई के पूत्र राजेंद्र सिंह मंडलोई के पुत्र पूर्व पार्षद एवं कांग्रेस नेता लोकेंद्रसिंह राहुल मंडलोई ने अपनी पुत्री के जन्मदिन को समाजसेवा से जोड़ते हुए प्रेरणादायक पहल की। उन्होंने अपनी सुपुत्री त्रिवेणी के प्रथम जन्मदिवस के उपलक्ष्य में ग्राम मोहनखेड़ा खेड़ी नगर में आयोजित मेवाड़ राजपूत समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 51,000 रुपए की सहयोग राशि कन्यादान स्वरूप प्रदान की।

यह सहयोग राशि सामूहिक विवाह में शामिल जरूरतमंद परिवारों के लिए दी गई, जिससे समाज में सहयोग और एकता की भावना को बल मिला। मेवाड़ राजपूत समाज एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति ने इस सराहनीय पहल के लिए लौकेन्द्र सिंह राहुल मंडलोई का आभार व्यक्त किया।

समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी अक्षय तृतीया (20 अप्रैल) को खेड़ी नगर मोहनखेड़ा जोड़ पर मेवाड़ राजपूत समाज का भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें हिंदू रीति-रिवाज के साथ बड़ी संख्या में समाज के जोड़ों का विवाह संपन्न होगा।

इस अवसर पर मेवाड़ राजपूत समाज कैन्द्रीय अध्यक्ष केदार सिंह मंडलोई सहित मेवाड़ राजपूत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति के सदस्य, समाजजन एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आर्यावृत पत्रकार संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने पत्रकार सुरक्षा कानून के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

आर्यावृत पत्रकार संघ
AARYAVRIT JOURNALIST ASSOCIATION

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्यावृत पत्रकार संघ द्वारा पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर मुहिम तेज कर दी गई है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र भेजकर शीघ्र पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की है।

संघ द्वारा भेजे गए पत्र में वर्तमान परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया है कि आज के समय में पत्रकारों को सच्चाई सामने लाने के दौरान कई प्रकार के दबाव, धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। खबरों को दबाने के प्रयास में पत्रकारों के साथ हो रही घटनाएं लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सशक्त और प्रभावी कानून की अत्यंत आवश्यकता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जोखिम भरे हालातों से गुजरना पड़ रहा है। इसलिए पत्रकारों की सुरक्षा, सम्मान और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए ठोस कानूनी व्यवस्था अनिवार्य हो गई है।

गौरतलब है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 20 सितंबर 2023 को पत्रकार सुरक्षा कानून के संबंध में अध्ययन एवं सुझाव देने के लिए एक समिति का गठन किया गया था, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों एवं पत्रकार प्रतिनिधियों को शामिल किया गया था। हालांकि लंबे समय बीत जाने के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आ सका है, जिससे पत्रकारों में निराशा व्याप्त है।

महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पहल की जा चुकी है। ऐसे में मध्यप्रदेश सरकार से अपेक्षा है कि वह भी इस दिशा में शीघ्र ठोस निर्णय ले।

संघ के सचिव कमल सिंह सोलंकी एवं महासचिव राकेश सिंह चौहान, एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, सहित पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन लगातार पत्रकार हितों के लिए संघर्षरत है और देशभर में पत्रकारों को एकजुट कर उनकी आवाज को मजबूत किया जा रहा है। *जल्द ही एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा करेगा।

प्राकृतिक खेती करने के लिए किसानों को जागरूक करते हुए दिया गया प्रशिक्षण

रीवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण वर्ष 2026 के उपलक्ष्य में जनपद पंचायत गंगेव के ग्राम पंचायत खरहरी में एक दिवसीय कृषक जागरूकता अभियान एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में गंगेव विकासखंड के विभिन्न ग्रामों जैसे माला, खरहरी, जोड़ोंरी, बहिवार और बड़ोखर के बड़ी संख्या में किसान सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एल. वर्मा ने किसान राजेंद्र शुक्ला एवं विजयशंकर शुक्ला सहित अन्य उपस्थित किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण सामग्री का वितरण किया। उन्होंने बताया कि चयनित क्लस्टर खरहरी, बेलवा बड़गैयान, बेलवा कुर्मियान का मुख्य लक्ष्य रसायन मुक्त खेती को बढ़ावा देकर मिट्टी की उर्वरता को पुनर्जीवित करना और किसानों की आय बढ़ाना है। आत्मा परियोजना के तकनीकी प्रबंधक दीपक कुमार श्रीवास्तव एवं दीपिका तिवारी ने प्राकृतिक खेती के बारे में किसानों को बताया कि प्राकृतिक खेती एक ऐसी पद्धति है जहाँ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का शून्य उपयोग होता है। इसके बजाय स्थानीय संसाधनों जैसे जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग) और फसल विविधता का उपयोग किया जाता है, जिससे सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है। गंगेव फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी एवं जैव-आदान संसाधन केंद्र धवईया के निदेशक रामशरण तिवारी ने बताया कि प्राकृतिक खेती से किसानों की बाजार पर निर्भरता खत्म होती है।

नीमच नगर पालिका में एल्डरमैन की नई सूची जारी, 6 नामों पर लगी मुहर, शहर के अलग-अलग वार्डों से चयन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नगर परिषदों के बाद अब नीमच नगर पालिका क्षेत्र से भी एल्डरमैन (नामनिर्दिष्ट पार्षद) की नई सूची सामने आई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत शहर के 6 लोगों को नामित किया गया है, जिससे स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जारी सूची के अनुसार जिन नामों पर मुहर लगी है, उनमें– शांतिलाल गुप्ता पिता श्री बंशीलाल गुप्ता, वार्ड नं. 30, मकान नं. 208, स्कीम नंबर 34, नीमच मनीषसिंह बैस पिता श्री मोहन सिंह बैस, वार्ड नं. 4, 52 विक्रम मार्ग, सरदार मोहल्ला, नीमच सिटी लता हरित पति श्री हेमन्त हरित, वार्ड नं. 23, मकान नं. 8, स्कीम नंबर 7, नई आबादी, नीमच अरुणा तलरेजा पति श्री चन्द्रप्रकाश तलरेजा, वार्ड नं. 26, मकान नं. 76, सिंधी कॉलोनी, नीमच शंकर बंसल पिता स्व. श्री माणकचंद बंसल, वार्ड नं. 22, कुम्हारा गली, नीमच हरभजन सलूजा पिता स्व. मोहनसिंह सलूजा, वार्ड नं. 31, कृष्णा सदन, नीमच बताया गया है कि सभी नामांकित व्यक्तियों की नियुक्ति फिलहाल पुलिस सत्यापन (वेरिफिकेशन) के अधीन रहेगी। सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही इन्हें आधिकारिक रूप से एल्डरमैन के अधिकार प्रदान किए जाएंगे। इस नई सूची के जारी होते ही शहर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और इसे आगामी स्थानीय राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

जिले की विभिन्न नगर परिषदों में एल्डरमैन (नामनिर्दिष्ट पार्षद) नियुक्ति को लेकर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई सामने आई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा आदेश जारी करते हुए मनासा, कुकडेश्वर, रामपुरा, जावद, रतनगढ़, डिकेन, सिंगोली, अठाना, सरवानिया महाराज और नयागांव नगर परिषदों के लिए नामों की सूची जारी कर दी गई है।

जारी सूची में बड़ी संख्या में स्थानीय व्यक्तियों को एल्डरमैन के रूप में नामित किया गया है, जिनमें प्रमुख रूप से तुलसीराम अहीरवार, अनिल राठौर, बंदना व्यास, बाबू विजयवर्गीय, विकास काछवा, विनोद मोदी, भीना कोचर, लोकेश तुगनावत, राजेश मांदलिया, कैसरबाई भोई, शिवम धनगर, गोविंद सोनी सहित कई अन्य नाम शामिल हैं।

इसी तरह जावद, रतनगढ़, डिकेन, ओर अन्य परिषदों के लिए भी अलग-अलग वार्डों से नाम तय किए गए हैं, जिनमें सामाजिक और राजनीतिक रूप से सक्रिय लोगों को प्राथमिकता दी गई है।

हालांकि आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन सभी नामांकित व्यक्तियों की नियुक्ति पुलिस सत्यापन (वेरिफिकेशन) के अधीन रहेगी। वेरिफिकेशन पूरा होने के बाद ही इन्हें विधिवत अधिकार मिल पाएंगे।

यह आदेश मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 29 मार्च 2026 को जारी किया गया है, जिस पर उप सचिव प्रमोद कुमार शुक्ला के हस्ताक्षर हैं।

इस सूची के जारी होते ही जिले की राजनीति और स्थानीय निकायों में हलचल तेज हो गई है, वहीं कई स्थानों पर इसे लेकर चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है।

नगर परिषद् के बाद नगर पालिका कि भी सूची जारी - जिले में नगर परिषदों के बाद अब नीमच नगर पालिका क्षेत्र से भी एल्डरमैन (नामनिर्दिष्ट पार्षद) की नई सूची सामने आई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत शहर के 6 लोगों को नामित किया गया है, जिससे स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जारी सूची के अनुसार जिन नामों पर मुहर लगी है, उनमें- शांतिलाल गुप्ता पिता श्री बंशीलाल गुप्ता, वार्ड नं. 30, मकान नं. 208, स्कीम नंबर 34, नीमच मनीषसिंह बैस पिता श्री मोहन सिंह बैस, वार्ड नं. 4, 52 विक्रम मार्ग, सरदार मोहल्ला, नीमच सिटी लता हरित पति श्री हेमन्त हरित, वार्ड नं. 23, मकान नं. 8, स्कीम नंबर 7, नई आबादी, नीमच अरुणा तलरेजा पति श्री चन्द्रप्रकाश तलरेजा, वार्ड नं. 26, मकान नं. 76, सिंधी कॉलोनी, नीमच शंकर बंसल पिता स्व. श्री माणकचंद बंसल, वार्ड नं. 22, कुम्हारा गली, नीमच हरभजन सलूजा पिता स्व. मोहनसिंह सलूजा, वार्ड नं. 31, कृष्णा सदन, नीमच बताया गया है।

नागदा में विद्या विनिमय योजना का शुभारंभ, जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिलेगा सहयोग

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा नगर में जैन सोशल ग्रुप एवं भारतीय जैन संघटना के संयुक्त तत्वावधान में रविवार सुबह 9 बजे मनोहर वाटिका स्थित श्री कुवर अपार्टमेन्ट मे विद्या विनिमय योजना का भव्य शुभारंभ किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करना तथा जरूरतमंद बच्चों तक शैक्षणिक सहायता पहुँचाना है। मीडिया प्रभारी अनुज नाहर ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के शुभारंभ अवसर पर 5 विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री (किताबें) वितरित की गई।

अतिथियों ने किया शुभारंभ- कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों – रवि काठेड, एस.एस. सिसोदिया, शरद जैन, श्रेणिक बम, धर्मेन्द्र बम एवं अंकुर जैन द्वारा भगवान महावीर स्वामी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर की गई।

इसके पश्चात सभी अतिथियों का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष धर्मेन्द्र बम एवं बीजेएस अध्यक्ष अंकुर जैन द्वारा दिया गया। अतिथियों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रयासों के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत में आभार राजा कर्नावट ने व्यक्त किया।

काठेड ने दी स्थाई जगह - रवि काठेड परिवार द्वारा उक्त कार्यक्रम को संचालित करने हेतु निशुल्क जगह भी उपलब्ध करवाई संचालन में उभरा नया नाम - कार्यक्रम का संचालन अमित बम द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रभावी एवं संक्षिप्त शब्दों में ÷विद्या विनिमय योजना÷ की जानकारी प्रस्तुत की। उनके कुशल संचालन की सभी उपस्थितजनों ने सराहना की।

समाज की सक्रिय सहभागिता- इस अवसर पर जैन समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और योजना को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। आयोजकों ने बताया कि यह पहल निरंतर जारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

नवकारसी का पुण्य अवसरः कांठेड़ परिवार बना लाभार्थी

पांच दिवसीय भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव में उमड़ेगा समग्र जैन समाज

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन समाज में आस्था और परंपरा के प्रतीक भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव इस वर्ष भी बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पांच दिवसीय इस महोत्सव में समग्र जैन समाज एकत्रित होकर धर्म, भक्ति और एकता का संदेश देगा।

महोत्सव के अंतर्गत 31 मार्च 2026 को श्री पार्श्व प्रधान पौषधशाला में नवकारसी का विशेष आयोजन होगा। इस अवसर पर अजीतङ्कसुनीता, सिद्धार्थङ्कमहिमा एवं श्रव्या कांठेड़ परिवार लाभार्थी बने हैं। परिवार द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति के साथ तैयारियां की जा रही हैं।

धर्म भक्ति और एकता का अद्भुत संगम- पांच दिवसीय यह महोत्सव समाज में धर्म भक्ति और एकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा, जो भगवान महावीर के सिद्धांतों को साकार करता है।

पहले दिन होगी णमोकार मंत्र जप आराधना- 27 मार्च को रात्रि 8 से 9 बजे श्री महावीर भवन में वृहत णमोकार महामंत्र जप आराधना का आयोजन किया जाएगा। इसके लाभार्थी भूमितखुशबू रांका हैं।

दूसरे दिन धार्मिक प्रश्नोत्तरी- 28 मार्च को रात्रि 8 बजे राजेन्द्र स्कूल (दिगम्बर मंदिर के सामने) में धार्मिक प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाएगी। इसके लाभार्थी डॉ. अमितङ्कनेहा नवलखा हैं।

तीसरे दिन बाल चल समारोह व सांस्कृतिक आयोजन- 29 मार्च को शाम 6¬30 बजे श्री महावीर भवन से पार्श्व प्रधान पौषधशाला तक बाल चल समारोह निकाला जाएगा, जिसके लाभार्थी सुरेन्द्र- अंजना संचेती हैं।

इसी दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता (लाभार्थी- राजेशङ्ककल्पना धाकड़) एवं शाम 7¬30 बजे पपेट शो का आयोजन पार्श्व प्रधान पौषधशाला स्थित बेबीशाला प्ले स्कूल में होगा।

प्रभात फेरी एवं जीव दया कार्यक्रम- प्रातः 6 बजे दिगम्बर जैन मंदिर से प्रभात फेरी निकलेगी। संयोजक -श्री दिगम्बर जैन समाज, इसके बाद 8¬45 बजे गोपाल गौशाला में मुक पशुओं हेतु स्वामी वात्सल्य एवं 11¬30 बजे अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र में दरिद्र नारायणों के लिए स्वामी वात्सल्य आयोजित होगा। इसके लाभार्थी उमेशङ्कसुनीता दलाल हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखेगी प्रतिभा - रात्रि 8 से 10 बजे दादावाड़ी में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागी भाग लेंगे।

पुरस्कार लाभार्थी मनोहरलाल- रवि कांठेड़ एवं पंकज- पुष्पा जैन हैं, जबकि कार्यक्रम लाभार्थी राजेन्द्र- रसीला कांठेड़ एवं राजेन्द्र-विजया लुणावत हैं।

31 मार्च को निकलेगा भव्य चल समारोह- 31 मार्च को प्रातः 9 बजे श्री पार्श्व प्रधान पौषधशाला से भव्य चल समारोह निकलेगा, जो सुभाष मार्ग, एम.जी. रोड, जवाहर मार्ग, महावीर भवन, रामसहाय मार्ग होते हुए पुनः पौषधशाला पहुंचेगा। इसका आयोजन श्री श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ द्वारा किया जा रहा है।

महोत्सव संयोजक- शरद जैन, संजय मुरडिया, निलेश चौधरी, दिलीप गांधी, शुभम सखलेचा एवं सचिन सकलेचा (हाउसिंग बोर्ड) महोत्सव के संयोजक हैं।

सहभागिता का आह्वान - सकल जैन श्रीसंघ एवं जैन सोशल ग्रुप ने समस्त समाजजनों से अपील की है कि वे प्रत्येक कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेकर महोत्सव को सफल बनाएं और जैन एकता का संदेश फैलाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और हितलाभ वितरण का कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा के मुख्य आतिथ्य में आज संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और हितग्राहियों को हितलाभ वितरण का कार्यक्रम भंवरताल के समीप संस्कृति थियेटर में आयोजित हुआ। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि कभी-कभी कुछ कार्यक्रम संख्यात्मक दृष्टि से बड़े होते हैं, किन्तु कुछ कार्यक्रम गुणात्मक व भावात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे ही आज का कार्यक्रम है जिसमें वरिष्ठजनों व वृद्धजनों के कल्याण को दृष्टिगत रखते हुए आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र और समाज का मुख्य उद्देश्य लोगों के दुखों को दूर करना है। सरकार जनता की भला के लिए होती है। सरकार का राजधर्म है कि वे जनता के हर कष्टों को संवेदनशीलता के साथ दूर करें। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों के इलाज का प्रबंध के लिए आयुष्मान योजना अंतर्गत पांच लाख रूपये तक निःशुल्क व्यवस्था है। उनके आवास की चिंता भी सरकार करती है, इसके साथ-साथ जनता की हर आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं भी है। साथ ही कहा कि सभी जनप्रतिनिधि व अधिकारी जनकल्याण को ईश्वरीय कार्य समझकर करें। उन्होंने कहा कि जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं उसकी फार्मेल्टी पूरी कर उसे बनवाना सुनिश्चित करें। सभा के दौरान जल गंगा अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देकर सभी के स्वस्थ्य होने की कामना की और कहा कि मध्यप्रदेश में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं की कोई कमी नहीं होगी। सांसद श्री आशीष दुबे ने कहा कि 2014 के बाद केन्द्र व राज्य में संकल्पित सरकार है, जो गरीब, किसान, युवा व महिलाओं के साथ दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने राष्ट्रीय वयोश्री योजना जैसी कल्याणकारी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसके अंतर्गत 60 वर्ष से अधिक आयु के बीपीएल श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण प्रदान किये जाते है। महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू ने संकल्प से समाधान अभियान को अद्भुत बताते हुए कहा कि केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और राज्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सामाजिक सारोकार से जुड़े कार्य लगातार हो रहे हैं। उन्होंने सभी की मंगलकामना करते हुए कहा कि जिस प्रकार मध्यप्रदेश तेजी के साथ विकास कर रहा है, उसी प्रकार जबलपुर भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

12 अप्रैल से शुरु होगी पंचक्रोशी यात्रा लेकिन दो दिन पहले ही ग्रामीण रवाना हो जाएंगे पड़ावों की ओर

चिलचिलाती धूप में होगी पंचक्रोशी यात्रा-मार्ग को हरा भरा करने की घोषणा मात्र कागजों पर ही रह गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचक्रोशी अतिप्राचीन है और हर साल चिलचिलाती धूप में होती है लेकिन जिम्मेदारों ने पंचक्रोशी मार्ग की कभी गंभीरता से सुध नहीं ली। पहले खूब दावे किए गए कि पंचक्रोशी मार्ग को हरा भरा करेंगे और पौधारोपण होगा लेकिन परिणाम में आज भी जलते पांवों से ही ग्रामीणों को यह यात्रा करना होती है।

पंचक्रोशी यात्रा का शुभारंभ आगामी 12 अप्रैल से होना है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी इसके दो दिन पहले से ही श्रद्धालु शहर आना शुरु हो जाएंगे और पड़ावों की ओर निकल पड़ेंगे। पंचक्रोशी मार्ग पर तैयारियों के लिए कलेक्टर ने 5 अप्रैल तक का समय दिया है। इसमें अब एक सप्ताह से कम का समय रह गया है। उल्लेखनीय है कि हर बार पंचक्रोशी की निर्धारित तिथी से दो दिन पहले ही आधी अधूरी व्यवस्थाओं के बीच श्रध्दालु पंचक्रोशी यात्रा पर निकल पड़ते हैं। परंपरागत पंचक्रोशी यात्रा की विधिवत शुरुआत हर साल वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की दशमी से होती है। यह तिथि इस बार 12 अप्रैल को आ रही है। यही कारण है कि जिला प्रशासन ने पंचक्रोशी यात्रा मार्ग और पड़ावों पर तैयारियाँ इसी तिथि के हिसाब से 5 अप्रैल तक करने के निर्देश दिए हैं। इस साल भी पंचक्रोशी यात्रा तय तिथि से पहले यात्रा शुरु कर सकते हैं। ऐसे में पड़ावों पर यात्रियों के लिए की जा रही व्यवस्थाएँ अगर समय से पहले पूरी नहीं हुई तो श्रद्धालुओं को परेशानी आ सकती है। इधर दूसरी ओर पड़ावों पर भी श्रद्धालुओं के लिए टेन्ट लगाने, पानी की व्यवस्था करने, साफ-सफाई करने जैसे काम में समय लगता है। पिछले वर्ष भी दो दिन पहले सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु नगर प्रवेश कर गए थे। रामघाट के साथ-साथ रेलवे स्टेशन के परिसर एवं बाहर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु रात्रि विश्राम करते नजर आए थे। जो शिप्रा स्नान करने के बाद वे सीधे पटनी बाजार स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुँचे थे और वहां से भगवान का पूजन कर बल लेकर गोपाल मंदिर होते हुए सतीगेट मार्ग से निजातपुरा होकर कोयला फाटक स्थित प्रवेश द्वार की ओर बढ़ गए थे। कलेक्टर ने इसे ध्यान रखते हुए पिछले दिनों अधिकारियों को 5 अप्रैल तक पड़ावों पर सभी तैयारियां करने के निर्देश जारी किए थे। इसमें अब 5 दिन का समय शेष रह गया है।

एक नजर में पंचक्रोशी मार्ग और पड़ाव- नागचंद्रेश्वर मंदिर से 12 किलोमीटर की दूरी पर पहला पड़ाव पिंगलेश्वर आता है। यहाँ से 23 किलोमीटर दूर दूसरा पड़ाव कायावरोहरणेश्वर आता है। यहाँ से 23 किलोमीटर दूर उपपड़ाव नलवा आता है। नलवा से 6 किलोमीटर दूर बिलकेश्वर पड़ाव होते हुए अंबोदिया पड़ाव आता है। फिर यहाँ से 21 किलोमीटर चलने पर कालियादेह महल उपपड़ाव तक यात्री पहुँचते हैं। कालियादेह महल से दुर्देश्वर पड़ाव जैथल तक 7 किलोमीटर दूरी तय करने के बाद आता है। दुर्देश्वर से पिंग्लेश्वर होते हुए उंडासा तक 16 किलोमीटर की यात्रा और करनी होती है। उंडासा उपपड़ाव से शिप्रा घाट कर्कराज मंदिर रेत मैदान तक 12 किलोमीटर की यात्रा की जाती है।

5 दिन में पूरी करनी होती है 118 किलोमीटर की यात्रा- वर्षों से चली आ रही पंचक्रोशी यात्रा की परंपरा आज भी ग्रामीण श्रद्धालुओं द्वारा पूरी आस्था और विश्वास के साथ की जाती है। हर साल वैशाख मास की दशमी से यह यात्रा शुरु होती है और इस दौरान भीषण गर्मी रहती है। आस्थावान इसकी भी परवाह नहीं करते हैं और 118 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 5 पड़ाव और 2 उपपड़ाव से होकर गुजरते हैं। पटनी बाजार नागचंद्रेश्वर मंदिर से बल लेकर यह यात्रा शुरु होती है और यात्रा का 5 दिन बाद समापन भी इसी मंदिर में बल लौटाकर श्रद्धालु करते हैं।

महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुईं टीवी अभिनेत्री रूपाली गांगुली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री रूपाली गांगुली ने रविवार सुबह महाकालेश्वर मंदिर में प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में होने वाली इस विशेष भस्म आरती में शामिल होकर अभिनेत्री ने श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना की और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस. एन. सोनी ने रूपाली गांगुली का स्वागत करते हुए उनका सम्मान किया। इस दौरान मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों ने उन्हें मंदिर की परंपराओं एवं भस्म आरती की विशेषता की जानकारी भी दी। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर में होने वाली भस्म आरती देश-विदेश में प्रसिद्ध है, जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचते हैं।

लक्ष्य वसूली में पिछड़ा उज्जैन, अब नहीं थोपे जाएंगे ऊंचे टारगेट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में 1 अप्रैल से नई गाइडलाइन लागू होने जा रही है, जिससे स्टाम्प ड्यूटी में बढ़ोतरी तय है। इसी के चलते उज्जैन में मार्च के अंतिम दिनों में रजिस्ट्रियों को लेकर हलचल तेज हो गई है। लोग अधिक खर्च से बचने के लिए 31 मार्च तक दस्तावेज पंजीयन कराने की कोशिश में जुटे हैं। हालांकि इस साल महंगी प्रॉपर्टी डील्स का अभाव रहा, जिससे पंजीयन विभाग की आय प्रभावित हुई है। पिछले वर्ष कुछ बड़े सौदों से ही विभाग को 100 करोड़ रुपए से अधिक की आय हो गई थी, लेकिन इस बार ऐसे सौदे नहीं हुए। फिलहाल विभाग लगभग 400 करोड़ रुपए का राजस्व जुटा चुका है, जबकि लक्ष्य 615 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था। ऐसे में लक्ष्य की पूर्ति मुश्किल मानी जा रही है।

चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड उज्जैन द्वारा जल संवर्धन विषय पर एक प्रेरणादायक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया। यह कार्यक्रम जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य जनमानस में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से जल संरक्षण, जल बचत एवं जल के महत्व को सुंदर चित्रों के जरिए प्रदर्शित किया। चित्रों में जल ही जीवन है, बूंद-बूंद से सागर, तथा आज बचाएं जल, कल सुरक्षित भविष्य जैसे प्रभावशाली संदेशों को उकेरा गया।

चर्चा में की गई पाम संडे की आराधना, 3 अप्रैल को गुड फ्राइडे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ईसाई समुदाय के प्रार्थना भवन चर्चो में रविवार को समाज जनों द्वारा खजूर की डालियां थाम कर पाम संडे की आराधना की। पाम संडे का पर्व ईसा मसीह के यरुशलम नगर में प्रवेश को याद करते हुए मनाया जाता है। 3 अप्रैल को ईसाई समुदाय गुड फ्राइडे की प्रार्थना सभा में शामिल होगा। पाम संडे पर मरिया नगर स्थित कैथोलिक चर्च में सुबह 8 बजे आर्च बिशप सेबास्ट्रियन वडक्केल द्वारा खजूर की डालियों को आशिषीत किया गया और समाजजनों को सौंपी। उसके बाद आराधना शुरू हुई और पवित्र बलिदान हुआ। पाम संडे का पर्व गुड फ्राइडे से पहले ईसा मसीह के यरुशलम में प्रवेश का दिन है जिस समाजजनों द्वारा अपने प्रभु के अभिवादन के रूप में मनाया जाता है। मसीही चर्च से भी पाम संडे की यात्रा निकाली गई जिसमें समाजजन शामिल हुए। ईसाई समुदाय 3 अप्रैल को अपने प्रभु यीशु के सूली पर चढ़ाए जाने का दिन गुड फ्राइडे के रूप में मनाएगा। कैथोलिक चर्च में दोपहर 3 बजे क्रूस यात्रा निकाली जाएगी। उसके बाद पवित्र आराधना होगी जिसमें ईसा मसीह द्वारा सूली पर चढ़ाए जाने के बाद दिए गए सात वचनों का अनुसरण समाज जनों द्वारा किया जाएगा गुड फ्राइडे का पर्व नम आंखों के साथ मनाया जाएगा। वही 5 अप्रैल को समाजजन ईस्टर संडे की आराधना करेंगे इस दिन प्रभु यीशु मृतकों में से जी उठे थे।

हरसिद्धि मंदिर के पास मिली वृद्ध महिला की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर से अलग रहकर भिक्षावृत्ति करने वाली वृद्धा की लाश हरसिद्धि मंदिर क्षेत्र से मिलना सामने आई है। रविवार सुबह पुलिस ने वृद्धा का पोस्टमार्टम करवाया। वृद्धा की पहचान शव मिलने के कुछ देर बाद ही हो गई थी। छोटी कमल कॉलोनी में रहने वाली सुमनबाई पति भंवरसिंह परिहार 70 साल की दिमागी स्थिति ठीक नहीं थी। वह घर से भिक्षावृत्ति करने निकल जाती थी। परिवार पूर्व में उन्हें कई बार घर भी ले गया लेकिन वह घर छोड़कर चली जाती थी। पिछले काफी समय से वह हरसिद्धि मंदिर क्षेत्र में भिक्षावृत्ति कर रही थी जहां उनका पोता सचिन फूल-प्रसादी की दुकान भी लगाता है। कुछ दिन पहले ही सचिन ने दादी को घर ले जाने का प्रयास किया था लेकिन वह नहीं गई थी। इस बीच सचिन के जयसिंहपुरा में रहने वाले दोस्त अभिषेक ने बीती शाम मोबाइल पर सूचना दी कि उसकी दादी सड़क किनारे पड़ी हुई है। पोता सचिन मौके पर पहुंचा। लेकिन दादी की मौत हो चुकी थी। फिलहाल मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाया है।

उज्जैन में 11 पंचायतें बिना भवन की, 70 से ज्यादा जर्जर, योजनाओं के बावजूद जमीनी हालात कमजोर

प्रदेश में 1,455 पंचायतें भवन विहीन, 2,531 के भवन खस्ताहाल, सरकार ने नए भवन निर्माण का रखा लक्ष्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गांवों को मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार पंचायतों के सशक्तिकरण पर जोर दे रही है, लेकिन जमीनी हकीकत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। उज्जैन जिले में आज भी 11 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जिनके पास अपना भवन नहीं है, जबकि 70 से अधिक पंचायत भवन जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं।

जानकारी के मुताबिक, प्रदेशभर में भी स्थिति बहुत अलग नहीं है। करीब 1,455 ग्राम पंचायतें भवन विहीन हैं और 2,531 पंचायतों के भवन पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। ऐसे में कई जगहों पर पंचायतों का काम अस्थायी व्यवस्थाओं में चल रहा है। सरकार ने इस स्थिति को सुधारने के लिए बड़े स्तर पर योजना बनाई है। इसके तहत 2,472 नए अटल पंचायत भवन और जनपद स्तर पर 106 अटल सुशासन भवन बनाए जा रहे हैं। प्रत्येक पंचायत भवन के लिए करीब 37.5 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन तैयार किए जा सकें।

प्रदेश के अन्य जिलों की स्थिति पर नजर डालें तो देवास में 13 पंचायतें भवन विहीन हैं और 60 भवन जर्जर हैं। मंदसौर में 34 पंचायतें बिना भवन के हैं, जबकि 76 भवन खराब हालत में हैं। रतलाम, शाजापुर और आगर-मालवा जैसे जिलों में भी जर्जर भवनों की संख्या काफी अधिक है।

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पंचायतों को सशक्त बनाने के साथ ही विकास कार्यों को गति दी जाए। साथ ही जनप्रतिनिधियों को गांवों में अधिक समय बिताकर लोगों की समस्याएं समझने और योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कहा गया है। कुल मिलाकर, योजनाएं भले ही कागजों पर तेजी से आगे बढ़ रही हों, लेकिन उज्जैन सहित कई जिलों में पंचायतों की बुनियादी जरूरतें अभी भी पूरी तरह से पूरी नहीं हो पाई हैं। ऐसे में नए भवनों के निर्माण और पुराने भवनों के सुधार पर तेजी लाना सबसे बड़ी जरूरत बन गई है।

हाउसिंग बोर्ड का बड़ा फैसला: लीज रेंट बकायेदारों को राहत, अब नहीं लगेगा चक्रवृद्धि ब्याज

31 मार्च 2026 तक लागू ओटीएस योजना, साधारण ब्याज पर होगा भुगतान; 50 से ज्यादा हितग्राहियों को मिलेगा लाभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने लीज रेंट बकाया मामलों में फंसे हितग्राहियों को बड़ी राहत देते हुए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना लागू की है। इस योजना के तहत अब बकाया राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज (कंपाउंड इंटरेस्ट) नहीं लिया जाएगा, बल्कि केवल साधारण ब्याज के आधार पर भुगतान करना होगा। योजना की अंतिम तिथि 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, इस योजना का लाभ उन सभी संपत्ति धारकों को मिलेगा जिन्होंने अब तक लीज रेंट जमा नहीं किया है। पहले बकाया राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज के कारण रकम काफी बढ़ जाती थी, जिससे हितग्राही भुगतान करने में असमर्थ हो जाते थे। नई व्यवस्था से बकाया राशि का बोझ कम होगा और अधिक से अधिक लोग अपने प्रकरणों का निराकरण कर सकेंगे। योजना के तहत इच्छुक हितग्राहियों को हाउसिंग बोर्ड के संबंधित कार्यालय में आवेदन करना होगा। आवेदन के बाद बकाया राशि का निर्धारण कर भुगतान की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी।

50 से अधिक मामलों में बकाया- हाउसिंग बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार उज्जैन सर्किल में करीब 50 से अधिक ऐसे हितग्राही हैं, जिन पर लीज रेंट बकाया है। ओटीएस योजना के माध्यम से इन लंबित मामलों का निराकरण करने की तैयारी की गई है।

अधिकारियों का कहना है कि इस पहल से जहां हितग्राहियों को राहत मिलेगी, वहीं बोर्ड की राजस्व वसूली में भी बढ़ोतरी होगी। लंबे समय से लंबित प्रकरणों के समाधान के लिए यह योजना कारगर साबित होने की उम्मीद है।

हलवाई संघ का बड़ा निर्णय: शादियों में रात 11 बजे के बाद नहीं होगा कार्य

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माँ अन्नपूर्णा धाम मोहनपुरा बड़नगर रोड पर शनिवार को माँ अन्नपूर्णा हलवाई एवं सर्विस कैटर्स संघ उज्जैन का होली मिलन एवं सम्मान समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर हलवाई व्यवसाय से जुड़ी प्रमुख समस्याओं पर चर्चा की गई और वैवाहिक व अन्य कार्यक्रमों में रात 11:00 बजे के बाद कार्य न करने और गरम भोजन न परोसने पर आम सहमति बनी। समारोह प्रदेश महामंत्री कृष्ण वल्लभ भागवत के मार्गदर्शन एवं प्रदेश सचिव अशोक सिंह गहलोत के नेतृत्व में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहैड़ा, होटल एवं रिसोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष समाजसेवी रवि सोलंकी, प्रदेश महामंत्री कृष्ण वल्लभ भागवत, प्रदेश सचिव अशोक सिंह गहलोत एवं अध्यक्ष सतीश लश्करी ने दीप प्रज्वलन व माँ अन्नपूर्णा की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

संघ द्वारा अतिथियों का केसरिया दुपट्टा एवं माँ अन्नपूर्णा का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। इसके पश्चात् अतिथियों द्वारा प्रदेशभर से आए हलवाई संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का केसरिया दुपट्टा व सम्मान पत्र देकर बहुमान किया गया। अपने उद्बोधन में प्रदेश महामंत्री कृष्ण वल्लभ भागवत ने बताया कि मध्यप्रदेश हलवाई संघ ने निर्णय लिया है कि अब वैवाहिक सहित अन्य कार्यक्रमों में रात 11:00 बजे के बाद कार्य नहीं किया जाएगा और न ही गरम भोजन परोसा जाएगा। इस निर्णय पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति दी। प्रदेश सचिव अशोक सिंह गहलोत ने बताया कि वर्तमान में लेबर की कमी, अत्यधिक कार्य समय और अन्य समस्याओं के चलते यह निर्णय आवश्यक हो गया था। इसके साथ ही बचे हुए भोजन को नगर निगम द्वारा संचालित गौशालाओं में भेजने का भी निर्णय लिया गया। इस नेक कार्य के लिए विधायक अनिल जैन कालूहैड़ा ने संघ को एक वाहन उपलब्ध कराने की घोषणा की है। समारोह में संघ के संरक्षक भंवरसिंह जादौन, जगदीश चौरषिया, भेरू दादा, रामजी भागवत, पन्नालाल शर्मा, देवीलाल शर्मा, मुकेश खण्डेलवाल, उदय सिंह कुशवाह, सह संयोजक ओम शर्मा, पवन जैन, कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण भागवत, उपाध्यक्ष कैलाश बरेडिया, हुकमचंद मीणा, प्रकाश राजवानी आदी।

अहमदाबाद में चोरी कर फरार हुआ आरोपी उज्जैन में पकड़ाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वृद्ध महिला के साथ हुई ठगी की वारदात में शामिल आरोपियों की तलाश में निकली देवासगेट थाना पुलिस को मुज्जफरपुर का संदिग्ध मिला। पूछताछ करने पर उससे अहमदाबाद से चुराई एक्टिवा और मोबाइल चोरी का खुलासा हो गया। आरोपी के गिरफ्त में आने की सूचना मिलने पर अहमदाबाद पुलिस उज्जैन पहुंची और आरोपी को अपने साथ ले गई ।

देवासगेट थाना प्रभारी अनिला पराशर शुक्रवार शाम थाना क्षेत्र में वृद्ध महिला के साथ हुई कान के टॉप्स ठगने की वारदात में शामिल 2 बदमाशों की तलाश में टीम के साथ क्षेत्र में कैमरों के फुटेज देखे जा रहे थे और संदिग्धों की तलाश की जा रही थी। उसी दौरान शनिवार को रेलवे स्टेशन के सामने होटल प्रीति पर एक संदिग्ध युवक मोबाइल पर बात करता दिखाई दिया। थाना प्रभारी ने शंका के आधार पर पूछताछ की तो वह होटल पर काम की तलाश में आना बताने लगा। उसकी भाषा बिहारी होने पर थाने लाया गया जहां उसका नाम मोह हननैन पिता मोहम्मद हुसैन 18 साल निवासी छोटी कल्याणी अमर सिनेमा रोड मुज्जफरपुर बिहार सामने आया। उससे सख्त पूछताछ की गई तो उसने अहमदाबाद से एक्टिवा और आईफोन चोरी करना कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह अहमदाबाद में इजहार सय्यैद की सोड़ा शॉप पर काम करता था। मालिक की एक्टिवा और मोबाइल चोरी कर भागा है। एक्टिवा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी की है। थाना प्रभारी पाराशर ने अहमदाबाद पुलिस से संपर्क किया तो पता चला मोह हसनैन के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज है। थाना प्रभारी पाराशर के अनुसार संबंधित थाना पुलिस को आरोपी के उज्जैन में पकड़ाने की सूचना दी गई।

आपदा मित्र बने नाविक और फायरफाइटर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कमांडेंट होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अंतर्गत उज्जैन जिले में संचालित युवा आपदा मित्र विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए तैयार किए जा रहे हैं। आपदा मित्र योजना का द्वितीय सत्र दिनांक 23 /3 /26 से 29/ 3 /26 तक होमगार्ड लाइन उज्जैन में संचालित किया गया।

इस प्रशिक्षण सत्र में 165 युवा आपदा मित्रों को जिला सेनानी होमगार्ड श्री संतोष कुमार जाट के निर्देशन में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षित गया। इस प्रशिक्षण में आपदा मित्रों को बाढ़, भूकंप, आगजनी एवं मेडिकल इमरजेंसी सहित विभिन्न प्रकार की आपदाओं से निपटने के गुर होमगार्ड लाइन उज्जैन में सिखाए गए। इस सत्र के पांचवें एवं छठवें दिवस में युवा आपदा मित्रों को रामघाट पर वोट हैंडलिंग का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान आपदा मित्रों को बाढ़ में किस प्रकार चप्पू की मदद से वोट को चलाना है इसका प्रशिक्षण एसडीआरएफ की प्रशिक्षित टीम एवं प्लाटून कमांडर्स द्वारा दिया गया।

आगजनी से बचने के लिए क्या-क्या सावधानियां रखनी है एवं आग लगने की स्थिति में किस प्रकार फायर एग्जीग्यूसर का उपयोग कर आग को नियंत्रित करना है, इस बारे में मॉकड्रिल के माध्यम से युवा आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया गया।

उल्लेखनीय है कि जिले में कुल 800 युवा आपदा मित्र तैयार किया जा रहे हैं। यह आपदा मित्र प्रशिक्षण उपरांत विभिन्न पर्व एवं त्योहारों पर महत्वपूर्ण ड्यूटियों का संपादन करेंगे।

युवा आपदामित्र आगामी सिंहस्थ 28 में घाट सुरक्षा सहित क्राउड मैनेजमेंट की महत्वपूर्ण ड्यूटियों का संपादन कर सिंहस्थ को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

युवा आपदा मित्रों को होमगार्ड एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडर्स, एसडीआरएफ जवान सहित विभिन्न विषयों के विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में सुशासन के नवीन आयाम स्थापित कर रहे है- नगर निगम सभापति

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल की उपस्थिति में संकल्प से समाधान अभियान का जिला स्तरीय शिविर आयोजित किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल की उपस्थिति में संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय शिविर का आयोजन आगर रोड़ स्थित नगर निगम कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में सांसद श्री अनिल फिरोजिया, महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, श्री संजय अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट, स्मार्ट सिटी सीईओ श्री संदीप शिवा, एमआईसी सदस्य, विभिन्न वार्डों के पार्षद और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि जिले में ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ के जिला स्तरीय शिविर के अवसर पर सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता और संतोष का अनुभव हो रहा है। यह अभियान केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सुशासन और जनकल्याण की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने यह संकल्प लिया कि शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। इसी उद्देश्य से 12 जनवरी 2026, युवा दिवस से 31 मार्च 2026 तक पूरे प्रदेश में ÷संकल्प से समाधान अभियान÷ चलाया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि उज्जैन जिले में जिला प्रशासन द्वारा इस अभियान के अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत क्लस्टर स्तर के शिविर, ब्लॉक/नगर स्तर के शिविर, और 1 जिला स्तरीय शिविर के माध्यम से शासन के विभिन्न विभागों की 106 योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाया और लगभग 1 लाख से अधिक प्राप्त आवेदन और शिकायतों का निराकरण किया गया। नगर पालिक निगम उज्जैन क्षेत्र में भी इस अभियान को व्यापक सफलता मिली। निगम क्षेत्र में जोन स्तर पर 8 शिविरों का आयोजन किया गया, जिनमें कुल 25,064 आवेदन एवं शिकायतों का निराकरण किया गया। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन में आई खुशहाली और विश्वास के प्रतीक हैं।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान 2026 में राजस्व, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, किसान कल्याण, कौशल विकास, नगरीय विकास, ऊर्जा, परिवहन, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों ने मिलकर काम किया। यह वास्तव में सुशासन और जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।उन्होंने अभियान के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन पर जिला प्रशासन एवं सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों को शुभकामनाएं दी।